व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में धन का अनुसरण करने के लिए **नीति मार्गदर्शिका**

बाली प्रक्रिया

मानव तस्करी, व्यक्तियों के अवैध कारोबार एवं तत्संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित

व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में वित्तीय जाँच उपकरणों के उपयोग के बारे में व्यावसायिकों के लिए एक आरंभिक मार्गदर्शिका

बाली प्रक्रिया में शामिल देशों द्वारा **इस नीति मार्गदर्शिका** का उपयोग किया जा सकता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के विरुद्ध सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा (संगठित अपराध प्रसंविदा) तथा इसकी दो संपूरक प्रोटोकॉलों – भूमि, समुद्र और वायु द्वारा प्रवासियों के अवैध कारोबार के विरुद्ध प्रोटोकॉल; तथा विशेषकर महिलाओं और बच्चों समेत सभी व्यक्तियों के अवैध कारोबार की रोकथाम, दमन और दण्ड देने के लिए प्रोटोकॉल – पर हस्ताक्षर और/या इसका अनुसमर्थन नहीं करने वाले देश भी शामिल हैं। इस नीति मार्गदर्शिका में उपयोग किए गए शब्द इन तीन अंतर्राष्ट्रीय उपकरणों के साथ यथासंभव सीमा तक संगत हैं। परंतु अनुवाद के प्रयोजनों के लिए प्रसंविदा और इसकी प्रोटोकॉलों के आधिकारिक अनुवादों को इस नीति मार्गदर्शिका में प्रयुक्त की गई शब्दावली के लिए संदर्भ के आधिकारिक संकेतों के रूप में देखा जाना चाहिए।

मानव तस्करी, व्यक्तियों के अवैध कारोबार एवं तत्संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित बाली प्रक्रिया वर्ष 2002 में स्थापित की गई थी और यह एक स्वैच्छिक व अबाध्यकारी क्षेत्रीय परामर्श प्रक्रिया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया की सरकारें सह–अध्यक्ष की भूमिका निभाती हैं तथा 45 से भी अधिक देश एवं संगठन इसके सदस्य हैं।

इस नीति मार्गदर्शिका से संबंधित पूछताछ के लिए बाली प्रक्रिया के क्षेत्रीय सहायक कार्यालय (आरएसओ) से इस पते पर संपर्क करें :

ईमेल: info@rso.baliprocess.net
आरएसओ वेबसाइट: www.baliprocess.net/regional-support-office

जुलाई 2018 में प्रकाशित।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा ग्राफिक डिज़ाइन
घरेलू मामले विभाग।

अभिस्वीकृतियाँ

इस नीति मार्गदर्शिका को बाली प्रक्रिया के सदस्यों द्वारा विकसित किया गया है, और इसका नेतृत्व बाली प्रक्रिया नीति मार्गदर्शिका आलेखन समिति द्वारा किया गया है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

यूसफइदली अध्यकसना,
अंतर्राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति के उप प्रमुख II,
परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति केंद्र (पीपीए), महान्यायवादी कार्यालय,
इंडोनेशिया (सह–अध्यक्ष)

Australian Government
Department of Home Affairs

किरेन बटलर,
परामर्शदाता (वैधानिक), अंतर्राष्ट्रीय अपराध शाखा,
घरेलू मामले विभाग, ऑस्ट्रेलिया (उप–अध्यक्षा)

मो. मोस्लेम अली पीपीएम (बार),
अतिरिक्त एस.पी. विशेष अपराध (पुलिस मुख्यालय),
बाँग्लादेश पुलिस, बाँग्लादेश

मारिया रोसनी फांगको,
विशेष सहायक,
प्रवासी कर्मियों के लिए अवर सचिव कार्यालय,
विदेशी मामले विभाग, फिलीपींस

हेज़ल जॉय पेनॉन्ग,
वैधानिक अधिकारी,
प्रवासी कर्मियों के लिए अवर सचिव कार्यालय,
विदेशी मामले विभाग, फिलीपींस

कॉन्टिका डाओरुआंग,
विधिकार्य प्रभाग निदेशिका
मनी–लॉन्डरिंग विरोध कार्यालय, थाईलैंड

सिरियुत विवेक,
वरिष्ठ अन्वेषक, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग
मनी–लॉन्डरिंग विरोध कार्यालय, थाईलैंड

UNODC
United Nations Office on Drugs and Crime

क्रिस बैट्ट,
मनी–लॉन्डरिंग और आतंकवाद मनी–लॉन्डरिंग विरोध परामर्शदाता
सँयुक्त राष्ट्र मादक–पदार्थ और अपराध कार्यालय

Australian Government
Department of Home Affairs

माइकल पेट्टी,
कानून प्रवर्तन परामर्शदाता,
मनी–लॉन्डरिंग विरोधी सहयोग टीम
घरेलू मामले विभाग, ऑस्ट्रेलिया

Australian Government
Department of Home Affairs

रेबेक्का मिल्स,
सहायक निदेशिका,
मानव तस्करी और अवैध मानव कारोबार खण्ड,
घरेलू मामले विभाग, ऑस्ट्रेलिया

इस नीति मार्गदर्शिका के बारे में पूछताछ को ईमेल के माध्यम से **bali.process.tipwg@homeaffairs.gov.au** पर भेजा जाना चाहिए।

प्राक्कथन

वर्ष 2002 में बाली प्रक्रिया के प्रारम्भ से ही मानव तस्करी, व्यक्तियों के अवैध कारोबार एवं तत्संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित बाली प्रक्रिया ने मानव तस्करी, व्यक्तियों के अवैध कारोबार एवं तत्संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के परिणामों के प्रति क्षेत्रीय जागरुकता पैदा की है तथा इसके प्रत्युत्तर में व्यावहारिक कार्यनीतियाँ और व्यावसायिक सहयोग विकसित एवं कार्यान्वित किया है। इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की सह–अध्यक्षता के अंतर्गत बाली प्रक्रिया में 48 से भी अधिक सदस्य शामिल हैं, जिसमें सँयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर), अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन सँगठन (आईओएम) तथा सँयुक्त राष्ट्र मादक–पदार्थ और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) के साथ–साथ कई प्रेक्षक देश और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियाँ शामिल हैं।

मार्च 2016 में आयोजित छठे बाली प्रक्रिया क्षेत्रीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में मंत्रियों ने मनी–लॉन्डरिंग और अपराधजनित लाभों को अपराध की श्रेणी में वर्गीकृत करने तथा मानव तस्करी और व्यक्तियों के अवैध कारोबार के लिए आर्थिक प्रोत्साहन को लक्षित करने के लिए राष्ट्रों के दायित्वों के महत्व पर ध्यान दिया और बाली प्रक्रिया मानव तस्करी कार्यकारी दल (कार्यकारी दल) द्वारा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने एवं इस विषय पर क्षेत्रीय मार्गदर्शन विकसित करने की सँस्तुति की। तत्पश्चात मई 2016 में कार्यकारी दल ने धन मंच के बाद बाली प्रक्रिया का आयोजन किया, जिसमें यह सँस्तुति की गई कि कार्यकारी दल एक क्षेत्रीय नीति मार्गदर्शिका (मार्गदर्शिका) और मानव तस्करी के मामलों में वित्तीय जाँच उपकरणों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण कार्यावली विकसित करे।

मई 2016 में अपनी दूसरी वार्षिक बैठक में कार्यकारी दल ने अपनी *आगामी कार्य योजना 2016–17* के तहत इस सँस्तुति को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की और मार्गदर्शिका का आलेखन तैयार करने के लिए इंडोनेशिया गणराष्ट्र और ऑस्ट्रेलिया की सरकारों की सह–अध्यक्षता में एक आलेखन समिति की स्थापना की। आलेखन समिति में ऑस्ट्रेलिया, बाँग्लादेश, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और सँयुक्त राष्ट्र मादक–पदार्थ और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) के मनी–लॉन्डरिंग और मानव तस्करी विशेषज्ञ शामिल थे। बाली प्रक्रिया के सदस्यों और प्रेक्षकों को लिखित टिप्पणियाँ देने के लिए मार्गदर्शिका के आलेखन सँस्करण उपलब्ध कराए गए थे और 23–24 मई 2017 को बाली, इंडोनेशिया में आयोजित संपूर्ण बाली प्रक्रिया परामर्श कार्यशाला में इनके ऊपर चर्चा की गई थी। इसके बाद इस मार्गदर्शिका को अंतिम रूप दे दिया गया, और अक्टूबर 2017 में आयोजित बाली प्रक्रिया तदर्थ समूह की वरिष्ठ अधिकारी बैठक में इसे अनुमोदित कर दिया गया।

यह मार्गदर्शिका स्वैच्छिक तथा अबाध्यकारी है और इसका उद्देश्य बाली प्रक्रिया सदस्य देशों में व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों की जाँच–पड़ताल और अभियोजन करने के लिए उत्तरदायी विधिक और न्यायिक अधिकारियों द्वारा इसे एक सँदर्भ उपकरण के रूप में प्रयुक्त किया जाना है।

आदिवर्णिक और सँक्षिप्त शब्द

एरिन–एपी	परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति अंतरएजेंसी नेटवर्क–एशिया प्रशाँत
आसियान	दक्षिणी–पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ
बाली प्रक्रिया	मानव तस्करी, व्यक्तियों के अवैध कारोबार एवं तत्संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अपराध के लिए बाली प्रक्रिया
एफएटीएफ	वित्तीय कार्यवाही कार्य बल
एफआईयू	वित्तीय गुप्तचर इकाई
आईएलओ	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
आईओएम	अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन
एमओयू	समझौता ज्ञापन
एनजीओ	गैर सरकारी संगठन
संगठित अपराध समझौता	संगठित अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के विरुद्ध सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा
आरएसओ	बाली प्रक्रिया हेतु क्षेत्रीय समर्थन कार्यालय
व्यक्तियों के अवैध व्यापार से संबंधित प्रोटोकॉल	विशेषकर महिलाओं और बच्चों समेत सभी व्यक्तियों के अवैध कारोबार की रोकथाम, दमन और दण्ड देने के लिए प्रोटोकॉल, जो अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के विरुद्ध सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा के लिए एक संपूरक है
यूएन	सँयुक्त राष्ट्र
यूएनएचसीआर	सँयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त
यूएनओडीसी	सँयुक्त राष्ट्र मादक–पदार्थ और अपराध कार्यालय

विषय सूची

कार्यकारी सारांश 4

अनुभाग 1: तर्क 6

1.1 'धन का अनुसरण' करने से क्या तात्पर्य है? 6

1.2 धन का अनुसरण क्यों करना चाहिए? 6

1.3 व्यक्तियों के अवैध कारोबार का मूल्य कितना है? 7

1.4 सोचने का एक नया तरीका–अवसर और चुनौतियाँ 7

1.5 मामला अध्ययन 8

अनुभाग 2: वैधानिक ढाँचे 9

2.1 अंतर्राष्ट्रीय मानक 9

2.2 व्यापक मनी–लॉन्डरिंग अपराध 9

2.3 परिसँपत्ति अधिग्रहण के प्रभावी ढाँचे 10

2.4 किस प्रकार की परिसँपत्तियों को अवरुद्ध और पुनर्प्राप्त किया जा सकता है? 11

अनुभाग 3: व्यक्तियों के अवैध कारोबार से जुड़े मनी–लॉन्डरिंग के तरीके 12

3.1 मनी–लॉन्डरिंग कैसे की जाती है? 12

3.2 मनी–लॉन्डरिंग के सामान्य तरीके 13

3.3 व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में मनी–लॉन्डरिंग 14

अनुभाग 4: वित्तीय गुप्तचर इकाइयाँ (एफआईयू) 15

4.1 सरकार मनी–लॉन्डरिंग गतिविधि की पहचान कैसे करती है? 15

4.2 एफआईयू क्या करती हैं? 16

4.3 आपकी एफआईयू आपकी जाँच को समर्थन कैसे दे सकती है? 16

4.4 मामला अध्ययन 18

अनुभाग 5: जाँच–पड़ताल 20

5.1 वित्तीय जाँच–पड़ताल क्या होती है? 20

5.2 यह कैसे प्रदर्शित किया जा सकता है कि धन को कैसे और कहाँ स्थानाँतरित किया गया है? 20

5.3 सूचना और प्रमाण एकत्रीकरण 21

5.4 मामला अध्ययन 24

अनुभाग 6: अंतर्राष्ट्रीय सहयोग 25

6.1 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण क्यों है? 25

6.2 वित्तीय जाँच–पड़ताल के समर्थन में सामान्य रूप से प्रयुक्त किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रारूप 25

6.3 महत्वपूर्ण विचारणीय बातें 26

अनुभाग 7: भुगतान के नए तरीके 28

अनुभाग 8: सुझावों का सारांश 29

कार्यकारी सारांश

व्यक्तियों का अवैध कारोबार एक गंभीर अपराध है, जिसमें बहुत गहन मानवाधिकार निहित होते हैं। यह सँगठित अपराध के सबसे लाभदायक व्यवसाय प्रारूपो में से एक प्रारूप भी है। यह अनुमान लगाया जाता है कि यह मादक–पदार्थों की तस्करी के बाद पूरे विश्व–भर में अवैध आय का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है।[1] अंतर्राष्ट्रीय श्रम सँगठन का अनुमान है कि बलपूर्वक श्रम और व्यक्तियों का अवैध कारोबार पूरे विश्व–भर में प्रतिवर्ष US$150 अरब का उद्योग है।[2]

व्यक्तियों के अवैध कारोबार की पहचान करने में वृद्धि और इसके गंभीर प्रभावों के बावजूद भी अभियोजन की वैश्विक–दरें कम है। धन का अनुसरण करने से अवैध लाभों का अनुरेखण करने, अपराधियों और पीड़ितों की पहचान करने, अभियोजन में सहायता के लिए प्रमाण एकत्र करने, और आपराधिक नेटवर्कों को लाभों से वंचित करने के लिए परिसँपत्तियों को ज़ब्त करने में सहायता मिल सकती है। यह नीति मार्गदर्शिका 'धन का अनुसरण' करने के दृष्टिकोण का पालन करते हुए व्यक्तियों के अवैध कारोबार के लिए कानून प्रवर्तन प्रतिक्रियाओं को सँवृद्ध करने के तरीके निर्धारित करती है–मनी–लॉन्डरिंग विरोधी गतिविधियों और परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति की तकनीकों के प्रयोग से।

राष्ट्रों का यह दायित्व होता है कि वे मनी–लॉन्डरिंग और अपराधजनित लाभों को अवरुद्ध करें। ये दायित्व वित्तीय कार्यवाही कार्यबल (एफएटीएफ) द्वारा निर्धारित किए गए हैं और इन्हें अनेकों सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदाओं में शामिल भी किया गया है। इनमें मनी–लॉन्डरिंग से संबंधित अपराधों को व्यापक रूप से शामिल करने, और अपराधजनित लाभों का मार्ग अवरुद्ध करने, इन्हें ज़ब्त करने तथा इनका अधिग्रहण करने के लिए प्रभावी प्रशासन स्थापित करने की आवश्यकता शामिल है।

यह नीति मार्गदर्शिका मनी–लॉन्डरिंग की प्रक्रिया और व्यक्तियों के अवैध कारोबार के आपराधिक नेटवर्कों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सामान्य कार्यतंत्रों का वर्णन करती है, जो बाली प्रक्रिया के सदस्य देशों के अनुभवों से सूचित है। यह मार्गदर्शिका 'धन का अनुसरण' करने के दृष्टिकोण में वित्तीय गुप्तचर इकाइयों (एफआईयू) के समर्थन की केंद्रीय भूमिका की पहचान करती है तथा वैधानिक और न्यायिक एजेंसियों व एफआईयू के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए सुझाव देती है। यह मार्गदर्शिका वित्तीय जाँच–पड़ताल के प्रमुख चरणों की व्याख्या भी करती है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रणालियों के प्रयोग, सर्वोत्तम कार्यप्रथाओं के सुझाव और कई मामले अध्ययन भी शामिल हैं।

इस मार्गदर्शिका को व्यक्तियों के अवैध कारोबार का सामना करने में व्यावसायिकों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले उपकरणों को विस्तारित करने के उद्देश्य से उन्हें सहायता देने के लिए एक सँदर्भ के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस अपराध के लाभ से प्रेरित होने की आर्थिक वास्तविकता को मार्गदर्शिका में लक्षित किया गया है। यह बाली प्रक्रिया के लिए ध्यान देने योग्य एक नया विषय है, और यह एक ऐसा विषय है जो अंतर्राष्ट्रीय अपराध को बाधित करने तथा अपराधियों के लिए सर्वाधिक मूल्यवान वस्तु–उनके लाभों–को लक्षित करने के उद्देश्य से वित्तीय जाँच–पड़ताल उपकरण कार्यान्वित किए जाने के मूल्य की बढ़ती वैश्विक मान्यता के साथ सँगत है।[3]

1 http://digitalcommons.ilr.cornell.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1016&context=forcedlabor

2 http://www.ilo.org/wcmsp5/groups/public/---ed_norm/---declaration/documents/publication/wcms_243391.pdf

3 उदाहरण के लिए, सँयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 20 दिसंबर 2016 को मानव तस्करी और दासता के लिए अपना सर्वप्रथम सँकल्प (2331) जारी किया, जिसमें एफएटीएफ, एफएटीएफ–शैली के क्षेत्रीय निकायों और राष्ट्रों को मानव तस्करी तथा आधुनिक काल में दासता से संबंधित वित्तीय प्रवाहों को बाधित करने के प्रयासों को सशक्त करने के लिए अनेक प्रकार के कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

अनुभाग 1: तर्क

1.1 'धन का अनुसरण' करने से क्या तात्पर्य है?

सँगठित अपराध का जीवनरक्त धन होता है। समय बीतने के साथ अपराध की प्रकृति और भी अधिक परिष्कृत और अंतर्राष्ट्रीय हो गई है, और अपराधजनित लाभों को छिपाने के लिए अपराधी लगातार नए–नए तरीकों की खोज कर रहे हैं। इसके प्रत्युत्तर में कानून और न्यायिक एजेंसियाँ गंभीर और सँगठित आपराधिक गतिविधियों को अवरुद्ध करने के लिए 'धन का अनुसरण' करने का दृष्टिकोण अधिक से अधिक तौर पर अंगीकृत कर रही हैं। इसमें अपराध के वित्तीय पहलुओं पर ध्यान देना शामिल है।

किसी व्यक्ति, लोगों या व्यवसाय की धन–संपत्ति की जाँच को वित्तीय जाँच–पड़ताल कहते हैं। वित्तीय जाँच–पड़ताल का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध आपराधिक गतिविधि के दौरान धन की आवाजाही की पहचान करना और इसे रिकॉर्ड करना है, और इसका अंतिम लक्ष्य अपराधियों का पता लगाने और उन पर मुकदमा चलाने तथा अपराधजनित लाभों की पुनर्प्राप्ति करना है। धन के स्रोतों, धन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों तथा इसे सँग्रहीत या जमा करने के स्थानों के बीच की कड़ी आपराधिक गतिविधि के बारे में मूल्यवान जानकारी और प्रमाण उपलब्ध करा सकती है।

'धन का अनुसरण' करने के दृष्टिकोण में दो प्रमुख घटक शामिल हैं: मनी–लॉन्डरिंग विरोधी कार्यनीतियाँ और परिसँपत्ति पुनर्प्राप्ति उपकरण। अवैध रूप से प्राप्त किए गए धन की पहचान, स्रोत, स्वामित्व या गंतव्य को छिपाने के लिए अपराधजनित लाभों के साथ व्यवहार करने के अपराध को मनी–लॉन्डरिंग कहते हैं। सभी प्रकार के अपराधजनित लाभों की जाँच–पड़ताल, अवरोधीकरण और अभिग्रहण करने की प्रक्रिया को परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति कहते हैं।

1.2 धन का अनुसरण क्यों करना चाहिए?

अन्य सँगठित अपराधों की तरह ही व्यक्तियों के अवैध कारोबार के नेटवर्क भी अपने लाभों के अवैध स्रोत को छिपाने और अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक सँचालन करने के लिए अनेक प्रकार की मनी–लॉन्डरिंग तकनीकों का उपयोग करते हैं। इसके परिणामस्वरूप, व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में 'धन का अनुसरण' करने के दृष्टिकोण को शामिल करना लाभकारी होता है।

- व्यक्तियों के अवैध कारोबार से जुड़े वित्त-प्रवाहों के अनुरेखण से जाँचकर्ताओं को आपराधिक नेटवर्क के सदस्यों और पीड़ितों की पहचान करने और प्रमाण एकत्र करने में सहायता मिल सकती है, जोकि अभियोजनों में समर्थन दे सकता है।
  - यह पीड़ितों की गवाही पर निर्भरता को कुछ कम करने में सहायता दे सकता है।
  - यह अवैध नेटवर्क के प्रमुख खिलाड़ियों और लाभार्थियों की पहचान करने में भी सहायता करता है, जो अपराध से लाभ तो उठाते हैं, लेकिन अपनी दूरी बनाकर रखते हैं।
- व्यक्तियों के अवैध कारोबार में शामिल अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए मनी–लॉन्डरिंग के अपराध एक और अवसर प्रदान कर सकते हैं। जब व्यक्तियों के अवैध कारोबार के अपराधों के प्रयोग से सफलतापूर्वक अभियोजन करने के लिए पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं होते हैं, तो यह उपयोगी हो सकता है। इससे वित्तीय विनियमों के अन्य उल्लंघन भी प्रकट हो सकते हैं।
- प्राप्त लाभों को अधिग्रहीत करने से एक अवरोधात्मक प्रभाव पैदा हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप ऐसे अपराधी हतोत्साहित होते हैं जो अपनी आपराधिक गतिविधियों से लाभों के निर्गत होने पर इन्हें प्राप्त करने के आश्वासन में कारागार के दण्ड का खतरा उठाने के लिए तैयार हैं।
- व्यक्तियों के अवैध कारोबार से प्राप्त लाभों को प्रभावी रूप से अधिग्रहीत करने के परिणामस्वरूप आपराधिक गतिविधियों में लाभों के पुनर्निवेश की रोकथाम की जा सकती है और तस्करी विरोधी प्रयासों में सुधार करने तथा पीड़ितों की सहायता करने में किया इन लाभों का उपयोग जा सकता है।
- अभियोजन–मुक्त परिसँपत्ति अधिग्रहण ढाँचों[4] के कार्यान्वयन से व्यक्तियों के अवैध कारोबार सहित अन्य कई प्रकार के अपराधों के परिणामों में काफी सुधार हो सकता है। इन उपायों के माध्यम से देशों को ऐसे व्यक्तियों को लक्षित करने के और भी अधिक अवसर मिल सकते हैं जो अपराधिक कृत्यों से लाभ तो उठाते हैं, परंतु आपराधिक अभियोजन की आवश्यकता न होने के परिणामस्वरूप स्वयं इनसे दूरी बनाकर रखते हैं।

4 अपराधजनित लाभों की पुनर्प्राप्ति के लिए दो साधन उपलब्ध हैः अभियोजन–आधारित पुनर्प्राप्ति, जिससे आपराधिक अभियोजन प्राप्त हो जाने के बाद अपराध से जुड़ी परिसँपत्तियाँ पुनर्प्राप्त की जा सकती हैं; और अभियोजन–मुक्त (या नागरिक) पुनर्प्राप्ति, जिससे आपराधिक अभियोजन प्राप्त करने की आवश्यकता के बिना संदिग्ध रूप से आपराधिक उद्गम की परिसँपत्तियों को अवरुद्ध तथा पुनर्प्राप्त किया जा सकता है।

1.3 व्यक्तियों के अवैध कारोबार का मूल्य कितना है?

व्यक्तियों का अवैध कारोबार वैश्विक स्तर पर किया जाने वाला एक आकर्षक व्यवसाय है। वर्ष 2014 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय (आईएलओ) का अनुमान था कि पूरे विश्व–भर में व्यक्तियों के अवैध कारोबार और दासता से प्राप्त होने वाले कुल अवैध लाभ US$150.2 बिलियन प्रतिवर्ष थे।[5] इन लाभों का लगभग दो तिहाई भाग–US$99 बिलियन–जबरन यौन–शोषण से प्राप्त हुआ।[6] गैर–घरेलू कर्मियों के शोषण से US$43.4 बिलियन के लाभ प्राप्त हुए और शोषित घरेलू कर्मियों से लगभग US$8 बिलियन के लाभ प्राप्त हुए। एशिया में ये लाभ सबसे अधिक थे, जो अधिकाँश पीड़ितों का उद्गमस्थल था। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में प्रति पीड़ित वार्षिक लाभ सबसे अधिक था (लगभग US$34,800 प्रति पीड़ित)।

1.4 सोचने का एक नया तरीका–अवसर और चुनौतियाँ

व्यक्तियों के अवैध कारोबार का सामना करने के प्रयासों में पारंपरिक रूप से व्यक्तियों के अवैध कारोबार के अपराध का अनुसरण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, न कि अपराधजनित लाभों और इनके अपराध में पुनर्निवेश पर।[7] अपराधियों के आचरण के वित्तीय पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने से हमें अनेक प्रकार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन इसमें चुनौतियाँ भी शामिल हैं। एक प्रमुख मुद्दा यह होगा कि हम व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामले में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक बातों से संबंधित अपनी समझ का विस्तार कर सकें तथा इस प्रकार के अपराध का सामना करने के लिए एक वैकल्पिक अभियोजन मार्ग के रूप में परिसँपत्ति के अधिग्रहण और मनी–लॉन्डरिंग के प्रयोग के योगदान की पहचान शामिल कर सकें।

सुझाव

व्यक्तियों के अवैध कारोबार के नेटवर्कों को बाधित करने के लिए पुनर्प्राप्त की गई परिसँपत्तियों और मनी–लॉन्डरिंग के प्रयोग के अपराधों से संबंधित आंकड़े एकत्र करें। व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में अपने राष्ट्र के प्रत्युत्तर के प्रदर्शन संकेतकों के रूप में इन्हें शामिल करने के बारे में विचार करें।

सुझाव

व्यक्तियों के अवैध कारोबार की जाँच–पड़तालों में 'धन का अनुसरण' करने के दृष्टिकोण को अपने सँगठन के सभी स्तरों पर अपनाए जाने का प्रोत्साहन करने के लिए ऊँचे स्तर का समर्थन प्रदर्शित करें। उदाहरण के लिए, इस दृष्टिकोण के समर्थन में वरिष्ठ अधिकारी सार्वजनिक वक्तव्य जारी कर सकते हैं।

एक और मुद्दा यह है कि तस्करी विरोधी और मनी–लॉन्डरिंग विरोधी समुदाय अक्सर अलग–अलग काम करते हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ व्यक्तियों के अवैध कारोबार से संबंधित वित्तीय गतिविधि के साथ व्यवहार करने के तरीके से अनभिज्ञ होती हैं या इसके लिए प्रशिक्षित नहीं होती हैं, और वित्तीय जाँच–पड़तालकर्ता व्यक्तियों के अवैध कारोबार के व्यवसाय प्रारूपों, बाज़ारों और अवैध धन को आगे बढ़ाने की प्राथमिकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी से अनभिज्ञ हो सकते हैं। इन दृष्टिकोणों को साथ लाने से व्यक्तियों के अवैध कारोबार का सामना करने के अपने प्रयासों को संवृद्ध करने के लिए हमें प्रबल क्षमता मिल पाएगी, लेकिन इसके लिए राष्ट्रों से सँगठनात्मक दीवारों को तोड़ने के लिए एक सशक्त प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। इस दृष्टिकोण को कार्यान्वित करने के लिए राष्ट्रों और उनकी एजेंसियों की सहायता के लिए जागरुकता बढ़ाने और सामर्थ्य–निर्माण गतिविधियों की आवश्यकता होगी।

सुझाव

व्यक्तियों के अवैध कारोबार के अपराधों की संपूर्ण जाँच–पड़ताल सुनिश्चित करने के लिए सभी सँगत एजेंसियों (जिनमें पुलिस, अभियोजक और एफआईयू शामिल हैं) की विशेषज्ञताओं को साथ लाने के लिए परिचालन कार्यनीतियाँ विकसित करें।

---

5 राष्ट्रों द्वारा अनिवार्य बनाया गया जबरन श्रम शामिल नहीं है

6 *लाभ और निर्धनता: जबरन श्रम का अर्थशास्त्र, पृ. 12–13*

7 मानव–तस्करी का सामना करने के लिए मनी–लॉन्डरिंग विरोधी प्रशासनों से अधिकतम लाभ उठाना (2014), यूरोपीय सुरक्षा और सहयोग कार्यालय (ओएससीई) https://www.osce.org/secretariat/121125?download=true

व्यक्तियों के अवैध कारोबार का सामना करने के लिए मनी–लॉन्डरिंग विरोधी तकनीकों के उपयोग में सुधार करने हेतु देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता भी होगी, ताकि वित्तीय मामलों से संबंधित जानकारी का शीघ्रतापूर्वक आदान–प्रदान किया जा सके। मनी–लॉन्डरिंग के मामलों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए नेटवर्कों का उपयोग करने से व्यक्तियों के अवैध कारोबार की जाँच–पड़तालों में लाभ मिल सकता है, उदाहरण के लिए विभिन्न एफआईयू के बीच सूचना का आदान–प्रदान करने से। एक स्थान से दूसरे स्थान तक व्यक्तियों के अवैध कारोबार से जुड़े लाभों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में निजी क्षेत्र के साथ मिलकर राष्ट्रों को साझेदारी में काम करने की आवश्यकता भी होगी।

1.5 मामला अध्ययन

1 मई 2015 के दिन एक सँयुक्त सैन्य–पुलिस कार्यबल को थाई–मलेशियाई सीमा के करीब सोंगखला प्राँत के सदाओ जिले में स्थित एक परित्यक्त शिविर में कम से कम 30 लोगों के शव मिले। व्यक्तियों के संदिग्ध अवैध कारोबार और तस्करी नेटवर्क में पुलिस की जाँच को समर्थन देने के लिए राजकीय थाई पुलिस ने थाईलैंड की वित्तीय गुप्तचर इकाई, थाई मनी–लॉन्डरिंग विरोधी कार्यालय (एएमएलओ) से सँपर्क किया, ताकि मामले से जुड़ी वित्तीय गतिविधियों की जाँच–पड़ताल की जा सके।

एएमएलओ के वित्तीय लेनदेन रिकॉर्ड के डेटाबेस का उपयोग करके एएमएलओ के अधिकारियों ने वायर ट्राँसफर रिकॉर्डों (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय, दोनों), सीमा मुद्रा रिपोर्टों, संदिग्ध लेनदेन रिपोर्टों, नकदी लेनदेन रिपोर्टों और सँपत्ति लेनदेन रिपोर्टों के लिए खोज की।

एएमएलओ ने अपने डेटाबेस में खोज करने के अतिरिक्त एएमएलओ को रिपोर्ट करने वाली अन्य सँस्थाओं से कई तरह की जानकारी प्राप्त करने के लिए भी निवेदन किया, जिनमें निम्नलिखित जानकारी शामिल थी:

- विभिन्न वित्तीय सँस्थानों से खाताधारक के विवरण और ग्राहक लेनदेन विवरण (इनमें खाता वक्तव्य भी शामिल थे)
- थाई भूमि कार्यालय से सँदिग्धों से संबंधित भूमि के स्वामित्व, अधिग्रहण और बिक्री के रिकॉर्ड
- थाई कर राजस्व कार्यालय से मामले के प्रमुख सँदिग्धों की करदाता स्थिति के बारे में रिकॉर्ड, उनकी घोषित आय के रिकॉर्ड, व्यक्तिगत और व्यावसायिक कर भुगतान रिकॉर्ड, और घोषित बैंकिंग व्यवस्थाएँ, तथा
- व्यवसाय विकास विभाग से पहचाने गए व्यवसायों से जुड़ी कंपनियों और व्यक्तियों के विवरण, जिनमें पते, शेयरधारक, और वित्तीय विवरण शामिल थे।

बैक वक्तव्यों और वायर ट्राँसफर विवरण का प्रयोग करके एएमएलओ ने मामले में गिरफ्तार किए गए सँदिग्धों की ओर से अतिरिक्त प्रमुख सँदिग्धों को भेजे गए वित्तीय लेनदेनों का अनुरेखण किया। इन लेनदेनों से पता चला कि गिरफ्तार किए गए सँदिग्धों ने थाईलैंड के अंदर ही प्रत्यक्ष खाता हस्ताँतरण के माध्यम से नए सँदिग्धों को धन हस्ताँतरित किया था। इसके परिणामस्वरूप एएमएलओ यह प्रदर्शित कर पाया कि थाईलैंड और मलेशिया के बीच धन हस्ताँतरित करने के लिए नकद कूरियरों और अवैध प्रेषकों सहित अन्य प्रकार की भुगतान विधियों का उपयोग किया गया था। राजकीय थाई पुलिस से वित्तीय जानकारी और मानव गुप्तचर जानकारी एकत्र करके और विस्तृत धन हस्ताँतरण विश्लेषण करके एएमएलओ इन लेनदेनों को साथ लाने में समर्थ बन पाया।

वित्तीय जाँच–पड़ताल और गुप्त जानकारी के प्रयोग के माध्यम से प्रमुख सँदिग्धों में वरिष्ठ अधिकारियों, आपराधिक नेटवर्क के संदिग्ध आयोजक, एक प्राँतीय प्रशासनिक सँगठन के पूर्व प्रमुख, एक महापौर और एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक की पहचान की गई। मानव तस्करी और मनी–लॉन्डरिंग के अपराधों के लिए सँदिग्धों पर आरोप दर्ज किए गए। एएमएलओ ने इन अपराधों से जुड़े अवैध लाभों का अधिग्रहण करने के लिए न्यायालय के आदेशों की माँग भी की।

इस मामले से पता चलता है कि वित्तीय जाँच–पड़ताल के तरीके किस प्रकार से अपराधियों और प्रमाणों के व्यापक नेटवर्क तथा उनके बीच की कड़ियों को प्रकट करने में सक्षम थे, जिनके बिना जाँचकर्ताओं को यह जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकती थी।

अनुभाग 2: वैधानिक ढाँचे

2.1 अंतर्राष्ट्रीय मानक

वित्तीय कार्यवाही कार्यबल (एफएटीएफ) 37 सदस्यों का एक अंतर–सरकारी निकाय है, जिसपर मनी–लॉन्डरिंग के अंतर्राष्ट्रीय मानक स्थापित करने और देशों द्वारा इन्हें लागू किए जाने के प्रदर्शन का आकलन करने का उत्तरदायित्व है।[8] सँयुक्त राष्ट्र की ऐसी अनेकानेक प्रसंविदाएँ भी उपस्थित हैं जिनमें मनी–लॉन्डरिंग और अपराधजनित लाभों के सँबंध में राष्ट्रों के दायित्वों को शामिल किया गया है।[9] इन मानकों में राष्ट्रों के लिए आरेखित महत्वपूर्ण दायित्वों में मनी–लॉन्डरिंग से संबंधित अपराधों को व्यापक रूप से शामिल करने, और अपराधजनित लाभों का मार्ग अवरुद्ध करने, इन्हें ज़ब्त करने तथा इनका अधिग्रहण करने के लिए प्रभावी प्रशासन स्थापित करने की आवश्यकता शामिल है।

2.2 व्यापक मनी–लॉन्डरिंग अपराध

अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करने के लिए मनी–लॉन्डरिंग से संबंधित व्यापक कानूनों को:

- मनी–लॉन्डरिंग प्रक्रिया के सभी चरणों को अपराधों के रूप में परिभाषित करना चाहिए
- व्यक्तियों के अवैध कारोबार सहित विधेय अपराधों की सर्वाधिक यथाव्यापक सीमाओं के लिए लागू होना चाहिए[10]
- एक स्वसँपूर्ण अपराध और साथ ही एक विधेय अपराध, इन दोनों प्रारूपों में मनी–लॉन्डरिंग की जाँच–पड़ताल करने की क्षमता प्रदान करनी चाहिए
- यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सँपत्ति को अपराधजनित लाभों के रूप में प्रमाणित करने हेतु एक विधेय अपराध के रूप में इसके लिए अभियोजन करने की आवश्यकता न हो
- वैधानिक व्यक्तियों (उदाहरण के लिए, कंपनियों) के ऊपर आपराधिक दायित्व लागू करने चाहिए
- प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपराधजनित लाभों का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी भी प्रकार की सँपत्ति के लिए लागू होना चाहिए, चाहे उसका मूल्य कुछ भी हो
- किसी अन्य देश में घटित आचरण के लिए भी लागू होना चाहिए, यदि वह आचरण विदेश में अपराध हो और गृह–देश में एक विधेय अपराध हो, और
- यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मनी–लॉन्डरिंग अपराध को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक प्रयोजन और ज्ञान को वस्तुनिष्ठ तथ्यों के माध्यम से समझा जा सके।

सुझाव

मनी–लॉन्डरिंग प्रदर्शित करने के लिए यह तत्व स्थापित करना महत्वपूर्ण है कि धन का लेनदेन करने वाला व्यक्ति **इस बात से अवगत था** या **उसे इस बात का संदेह होना चाहिए था** कि वह धन अपराध से उत्पन्न हुआ है, या उस धन का उद्देश्य आपराधिक कृत्य करने में उसे प्रयुक्त किया जाना है।

8 देखें: एफएटीएफ अनुशंसाएँ 2012 और 2013 एफएटीएफ अनुशंसाओं के तकनीकी अनुपालन का आकलन करने के लिए एफएटीएफ कार्यप्रणाली और एएमएल/सीएफटी प्रणालियों की प्रभाविता।

9 इनमें शामिल हैं: *निद्राजनक औषधियों और मनोदैहिक पदार्थों के विरोध में सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा 1988* (वियना प्रसंविदा), *अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के विरोध में सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा 2000* (यूएनटीओसी या पालेर्मो प्रसंविदा), और *भ्रष्टाचार के विरोध में सँयुक्त राष्ट्र प्रसंविदा 2003* (यूएनसीएसी)।

10 विधेय अपराध एक ऐसा कार्य होता है जो किसी अन्य आपराधिक कृत्य के लिए अंतर्निहित सँसाधन प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, मनी–लॉन्डरिंग या आतंकवाद के वित्त–पोषण हेतु धन प्रदान करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का अवैध कारोबार और मानव तस्करी विधेय अपराध हो सकते हैं।

सुझाव

यह सुनिश्चित करें कि मनी–लॉन्डरिंग और विधेय अपराधों के लिए अलग–अलग अभियोजन किया जा सकता है। ऐसे मामलों में जहाँ विधेय अपराध के लिए अभियोजन प्राप्त नहीं किया जा सकता है (उदाहरण के लिए, व्यक्तियों का अवैध कारोबार) परंतु मनी–लॉन्डरिंग का प्रमाण उपस्थित है, वहाँ कानून प्रवर्तन अधिकारी मनी–लॉन्डरिंग के अपराध को विधेय अपराध से अलग लक्षित करने में समर्थ हो पाएँगे।

2.3 परिसँपत्ति अधिग्रहण के प्रभावी ढाँचे

अपराधजनित लाभों की जाँच–पड़ताल, अस्थायी अवरोधीकरण, अधिग्रहण और प्रबंधन को परिसँपत्ति अधिग्रहण या परिसँपत्ति पुनर्प्राप्ति कहा जाता है। अधिग्रहण अभियोजन के आधार पर किया जा सकता है (जिसमें अधिग्रहण किए जाने से पहले अपराध प्रक्रियाओं के माध्यम से अपराधी की दोषसिद्धि आवश्यक होती है) या यह अभियोजन–मुक्त हो सकता है। व्यापक परिसँपत्ति अधिग्रहण प्रशासन से आपको अपराधजनित लाभों की जाँच–पड़ताल, सँरक्षण, अधिग्रहण और अवरोधीकरण करने की समर्थता मिल पाएगी। इसमें तृतीय–पक्षों (या गिरफ्तार किए गए निर्दोष लोगों) के परिसँपत्तियों में निहित रुचियों पर विचार करने और सरकार को परिसँपत्तियों का अधिग्रहण करने की अनुमति देने के लिए उपाय शामिल होंगे। अभियोजनमुक्त–आधारित वैधानिक ढाँचों को लागू करने वाले कई देशों को इसे बाधित करने के अपने प्रयासों में महत्वपूर्ण सुधार प्राप्त हुए हैं, और वे भविष्य में होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए इस अधिहृत धन का प्रयोग करने में समर्थ हो पाए हैं–उदाहरण के लिए, अपराध की रोकथाम, शिक्षा और प्रवर्तन कार्यक्रमों के माध्यम से।

सुझाव: अभियोजन–मुक्त आधार पर अधिग्रहण स्थापित करें

अभियोजन–मुक्त अधिग्रहण अपराधजनित लाभों के प्रशासन की प्रभाविता में सुधार कर सकता है। अभियोजन–मुक्त आधारित पुनर्प्राप्ति आपराधिक अभियोजन प्राप्त करने की आवश्यकता के बिना ही संदिग्ध रूप से आपराधिक उद्गम की परिसँपत्तियों को अवरुद्ध और पुनर्प्राप्त करने की अनुमति देती है। यह:

- जाँच प्रक्रिया के आरंभिक चरण में परिसँपत्तियों को फ्रीज़ करने (इस्तेमाल बंद करने) या अवरुद्ध करने की अनुमति दे सकती है, जिसके परिणामस्वरूप जाँच–पड़ताल या अभियोजन की अवधि के दौरान परिसँपत्तियों का निपटान किए जाने को अवरुद्ध करने में सहायता मिलती है
- ऐसी परिस्थितियों में सफल परिणाम प्रदान कर सकती है, जब अपराधी की मृत्यु हो गई हो, उसके स्थान का पता न चल पाए, या उसकी पहचान न की जा सके
- ऐसे लोगों से अपराधजनित लाभों का अधिग्रहण करने की अनुमति दे सकती है, जो मुनाफा तो कमाते हैं लेकिन आपराधिक अभियोजन की आवश्यकता न होने के परिणामस्वरूप स्वयं आपराधिक कृत्य से दूरी बनाकर रखते हैं, और
- तृतीय पक्ष के अधिकार में आने वाली सँपत्ति का अधिग्रहण करने की अनुमति देती है, जहाँ वह दागी सँपत्ति होती है (ऐसी संपत्ति, जिसका प्रयोग किसी व्यक्ति द्वारा या कोई आपराधिक कृत्य करने के सँबंध में किया जाता है या किए जाने की मंशा होती है), या वह संपत्ति अपराधी के प्रभावी नियंत्रण में होती है।

2.4 किस प्रकार की परिसँपत्तियों को अवरुद्ध और पुनर्प्राप्त किया जा सकता है?

अपराधिक कृत्य करने में उपयोग की जाने वाली परिसँपत्तियों (सँसाधनों) और अपराध से प्राप्त की गई परिसँपत्तियों (अपराधजनित लाभों) या उनके मूल्य को संभावित रूप से अवरुद्ध और पुनर्प्राप्त किया जा सकता है। अपराधी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर रखी गई लेकिन प्रभावी रूप से नियंत्रित की जाने वाली संपत्ति को अवरुद्ध करना भी सँभव हो सकता है। कई अपराधियों के लिए अपने अपराधजनित लाभों की सुरक्षा करना एक महत्वपूर्ण लक्ष्य होता है और अपराधियों द्वारा अपनी सँपत्ति के स्रोत और स्वामित्व को छिपाने के लिए अपनाए जाने वाले उपाय जाँचकर्ताओं के लिए एक जटिल चुनौती बन गए हैं। विदेशी–स्वामित्व में आने वाली सँपत्ति की चुनौती का सामना करने के लिए घरेलू कानूनों को पर्याप्त रूप से अनुकूलनीय होना चाहिए और जो वास्तव में लाभान्वित स्वामी है, उसकी पहचान स्थापित करने के लिए जटिल स्वामित्व सँरचनाओं को सुलझाने में सक्षम होना चाहिए।

अपराधजनित लाभों में सँपत्ति से, अथवा इस संपत्ति को संपूर्णतः या आंशिक रूप से किसी अन्य सँपत्ति में परिवर्तित करके प्राप्त किए जाने वाले आर्थिक लाभ शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, व्यक्तियों के अवैध कारोबारजनित लाभों से मिले धन से खरीदे गए मोटर वाहन, भवन या नाव को अधिहृत किया जा सकता है क्योंकि इसे अपराधजनित लाभों का उपयोग करके खरीदा गया था।

अपराध का **सँसाधन** (या उपकरण) आपराधिक कृत्य को सुविधापूर्वक संचालित करने के लिए उपयोग की जाने वाली सँपत्ति होती है और इसमें, उदाहरण के रूप में, व्यक्तियों की तस्करी करने के लिए उपलब्ध कराई गई कार या नाव, अथवा आपराधिक कृत्य के वित्त–पोषण के लिए दिया गया धन शामिल हो सकता है। हो सकता है कि यह संकेत देने वाला कोई भी प्रमाण उपलब्ध न हो कि वह वाहन एक अपराधजनित लाभ था या पहले किए किए गए आपराधिक कृत्यों से प्राप्त धन के माध्यम से इसे प्राप्त किया गया था। परंतु यदि आपराधिक कृत्य के संचालन में इसका उपयोग किया जाता है, तो अपराध के सँसाधन के रूप में इसे अधिहृत किया जा सकता है।

सँपत्ति के **प्रभावी नियंत्रण** का अर्थ यह है कि सँपत्ति को किसी व्यक्ति द्वारा नियंत्रित किया जाता है, चाहे व्यक्ति के वैधानिक या न्यायसँगत हित उस सँपत्ति में निहित हों या नहीं अथवा व्यक्ति के पास उस सँपत्ति के सँबंध में अधिकार या शक्ति हो या नहीं। किसी व्यक्ति के पास सँपत्ति के प्रभावी नियंत्रण का निर्धारण करते समय कई कारकों पर विचार किया जाता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- उस संपत्ति में अभिरुचि (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष) रखने वाली किसी कंपनी में शेयरहोल्डिंग, डिबेंचर या निदेशकताएँ
- उस संपत्ति से संबंधित कोई न्यास
- सँपत्ति में अभिरुचि रखने वाले व्यक्तियों के बीच पारिवारिक, घरेलू और व्यावसायिक सँबंध।

सुझाव: प्रभावी परिसँपत्ति अधिग्रहण की स्थापना करना

आपराधिक परिसँपत्तियों के अधिग्रहण के परिणामों में निम्नलिखित कार्यों के माध्यम से सुधार किया जा सकता है:

- सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वित्तीय गुप्तचर इकाइयों और अभियोजकों को व्यापक जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करना।
- प्राथमिक रूप से परिसँपत्ति अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित करने वाली विशेषज्ञ जाँच–पड़ताल और अभियोजन टीमें या इकाइयाँ विकसित करना।
- परिसँपत्ति अधिग्रहण के सभी पहलुओं के नियोजन के लिए जाँचकर्ताओं और अभियोजकों के बीच यथाशीघ्र आरंभिक चरण में निकट सहयोग को बढ़ावा देना।
- अपने परिसँपत्ति अधिग्रहण वैधानिक ढाँचे समेत सभी तत्वों की समीक्षा करना और उन्हें प्रबल बनाना;
  - परिसँपत्तियों के स्थान का पता लगाने और लाभान्वित स्वामित्व स्थापित करने के लिए जाँच–शक्तियाँ
  - ज़ब्त करने, अवरुद्ध करने और अधिग्रहीत करने के लिए प्रावधान, और
  - पारस्परिक वैधानिक सहायता।

अनुभाग 3: व्यक्तियों के अवैध कारोबार से जुड़े मनी–लॉन्डरिंग के तरीके

3.1 मनी–लॉन्डरिंग कैसे की जाती है?

मनी–लॉन्डरिंग की प्रक्रिया में विभिन्न चरण शामिल हो सकते हैं, परंतु सामान्य रूप से इसे तीन चरणों में विभाजित किया जाता है: **प्रविष्टि, आच्छादन** और **एकीकरण**, जैसाकि नीचे दिया गया है।

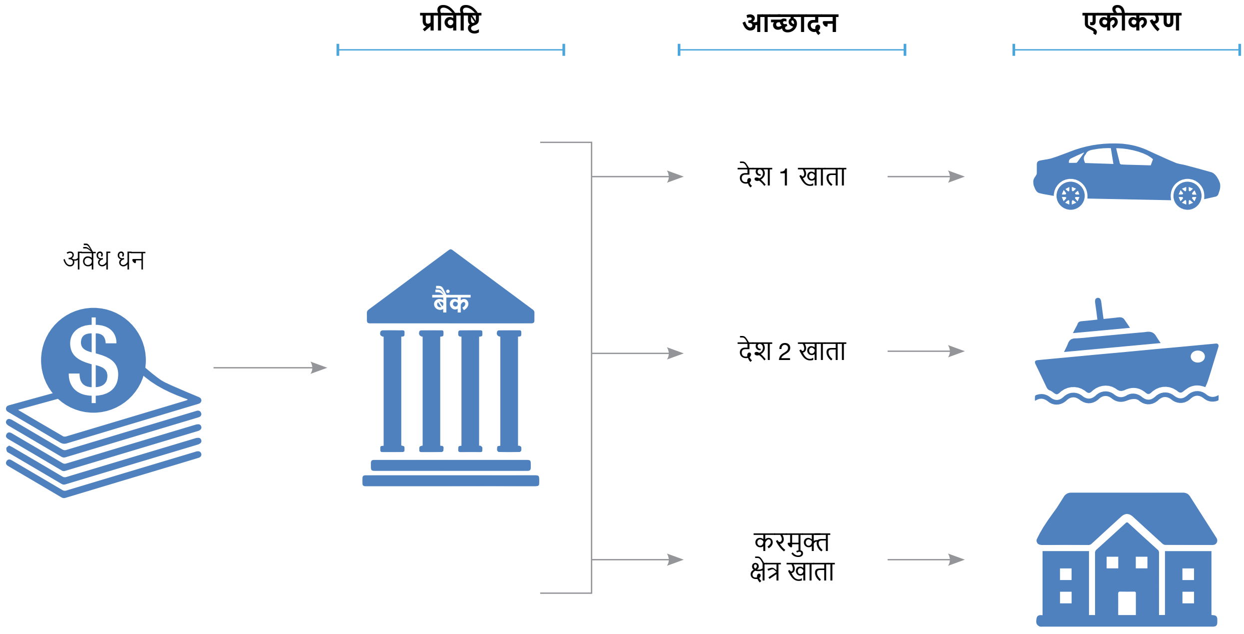

- **प्रविष्टि** में वित्तीय प्रणाली में अवैध धन या सँपत्ति का प्रवेश शामिल होता है। उदाहरण के लिए, बैंक खातों में नकदी जमा करके या परिसँपत्ति खरीदने के लिए नकदी का उपयोग करके यह किया जा सकता है।
- **आच्छादन** में प्रविष्ट किए गए धन को स्थानाँतरित या प्रच्छन्न करके इसके अवैध उद्गम को छिपाना शामिल होता है। उदाहरण के लिए, इसके लिए व्यावसायिकों से बिचौलियों (जैसे वकील या एकाउंटेंट) के रूप में काम करवाया जा सकता है अथवा धन के हस्ताँतरण के लिए कंपनी और न्यास सँरचनाओं का जटिलतापूर्ण निर्माण किया जा सकता है।
- **एकीकरण** में धन का आच्छादन करने के बाद उद्गम से इसकी दूरी बना दी जाती है, और फिर इसे वैध धन के रूप में दिखाते हुए अपराधियों को उपयोग और नियंत्रण के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। 'स्वच्छ धन' जैसे दिखाई देने वाले धन को आगे की आपराधिक गतिविधियों या वैध व्यवसायों में निवेश (उदाहरण के लिए, कंपनियों में शेयर), या ऊँचे मूल्य की परिसँपत्तियों (उदाहरण के लिए, अचल सँपत्ति) और विलासितापूर्ण साजो–सामान (उदाहरण के लिए, महंगी कारें) खरीदने के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

3.2 मनी–लॉन्डरिंग के सामान्य तरीके

किसी भी स्थान पर मनी–लॉन्डरिंग के तरीके (या 'वर्गीकरण') अर्थव्यवस्था, वित्तीय बाज़ारों और मनी–लॉन्डरिंग विरोधी प्रशासनों से काफी अधिक प्रभावित होते हैं। मनी–लॉन्डरिंग के तरीके विकसित करने में अपराधी भी बहुत रचनात्मक हो सकते हैं।

सामान्य मनी–लॉन्डरिंग विधियाँ नीचे दी गई हैं।

विदेशी बैंक जिन देशों में बैंक गोपनीयता कानून होते हैं, उन देशों में 'अपतटीय खातों' ('ऑफशोर एकाउंट्स') के माध्यम से धन का स्थानाँतरण किया जा सकता है। इसके परिणामस्वरूप गुमनाम रूप से बैंकिंग संभव हो सकती है।
नकदी की तस्करी अपराध से प्राप्त लाभों में नकदी को भौतिक रूप से सीमाओं के आर–पार स्थानाँतरित किया जा सकता है, ताकि लाभों और लाभों को उत्पन्न करने वाले अपराधों के बीच दूरी बनाई जा सके।
वैकल्पिक/अनौपचारिक प्रेषण हस्ताँतरण एशिया के कुछ देशों में भली–भाँति स्थापित, वैधानिक वैकल्पिक बैंकिंग प्रणालियाँ हैं जिनके तहत अप्रलेखित जमा, निकासी और हस्ताँतरण उपलब्ध रहता है।
कवच कंपनियाँ ये ऐसी कंपनियाँ होती हैं, जिनका निर्माण केवल मनी–लॉन्डरिंग के उद्देश्य से किया जाता है। ये अवैध लाभों को यथार्थ में अनुपस्थित माल और सेवाओं के लिए 'भुगतान' के रूप में स्वीकार करती हैं तथा नकली चालानों और बैलेंस शीटों के माध्यम से लेनदेनों को वैधस्वरूप प्रदर्शित करती हैं।
सँरचना या 'स्मर्फिंग' एफआईयू की घोषणा सीमाओं से बचने के लिए बड़ी धनराशि को छोटी–छोटी, कम सँदेहास्पद मात्राओं में विभाजित किया जाता है। इसके बाद धन को एक या एकाधिक बैंक खातों में या तो कई लोगों (स्मर्फों) द्वारा अथवा किसी एक व्यक्ति द्वारा विस्तारित अवधि के अंतराल में जमा किया जाता है।
वैध कंपनियों में निवेश अवैध लाभों का स्रोत छिपाने के लिए इन्हें वैध व्यवसायों में निवेशित किया जा सकता है–विशेष रूप से रेस्तरांओं और बारों जैसे व्यवसायों में, जो नकदी पर आधारित होते हैं। ये व्यवसाय यथार्थ में माल या सेवाएँ प्रदान करने वाली 'फ्रंट कंपनियाँ' हो सकती हैं, परंतु इनका वास्तविक लक्ष्य लॉन्डरिंग करने वाले व्यक्ति के काले धन को वैध बनाना होता है।
ऊँचे मूल्य की परिसँपत्तियाँ अपराधजनित लाभों को पुर्निवेशित करने या छिपाने के एक तरीके के रूप में कलाकृतियाँ, प्राचीन वस्तुएँ, आभूषण, बहुमूल्य धातु और रत्न, नावें या वाहन और अचल सँपत्ति जैसे ऊँचे मूल्य के साजो–सामान और परिसँपत्तियाँ खरीदी जा सकती हैं।
व्यापार–आधारित मनी–लॉन्डरिंग आपराधजनित लाभों को छिपाने के लिए वैध व्यापार का उपयोग किया जा सकता है। यह मनी–लॉन्डरिंग का एक परिष्कृत तरीका है और इसमें अवैध सामानों को स्थानाँतरित करना, दस्तावेजों में हेर–फेर करना, वित्तीय लेनदेनों को गलत तरीके से प्रस्तुत करना और साजो–सामान के मूल्य से कम–या अधिक–का चालान बनाना शामिल है।

3.3 व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में मनी–लॉन्डरिंग

वित्तीय पदछाप: एशिया प्रशाँत क्षेत्र में व्यक्तियों के अवैध कारोबार का सामना करने के लिए वित्तीय जाँच–पड़तालों का एक विश्लेषण शीर्षक की रिपोर्ट को इस अनुभाग में जानकारी प्रदान करने के लिए विकसित किया गया था। यह रिपोर्ट व्यक्तियों के अवैध कारोबार से जुड़े वित्त-प्रवाहों, और व्यक्तियों के अवैध कारोबार का सामना करने के लिए वित्तीय उपकरणों का प्रयोग करने में हाल ही के विश्व–व्यापी अनुभवों के विषय में प्रमुख वैश्विक साहित्य का अवलोकन प्रदान करती है। यह बाली प्रक्रिया के सदस्य देशों से प्राप्त मामला अध्ययनों सहित एक प्रश्नावली के लिए दिए गए उत्तरों का विश्लेषण भी प्रस्तुत करती है।

रिपोर्ट में यह प्रकाशित किया गया कि व्यक्तियों के अवैध कारोबार और इससे संबंधित वित्त-प्रवाहों में वैश्विक स्तर पर और एशिया प्रशांत क्षेत्र में सीमित डेटा और आंकड़े उपलब्ध हैं। व्यक्तियों के अवैध कारोबार से जुड़े वित्त-प्रवाहों से संबंधित जाँच के परिप्रेक्ष्य में दो सँभावित मार्ग उपलब्ध हैं: तस्करों द्वारा मनी–लॉन्डरिंग किए गए गए अवैध धन का प्रवाह; और तस्करीकृत व्यक्तियों की ओर से धन का प्रवाह, विशेषकर उनके मूल–देशों में उपस्थित परिजनों को प्रेषित करने के लिए धन स्थानाँतरण सेवाओं का उपयोग करके, अथवा तस्करों का 'ऋण' चुकाने के उद्देश्य से बैंक खातों या धन स्थानाँतरण सेवाओं का उपयोग करके।

तस्करीकृत व्यक्तियों की ओर से धन के प्रवाह पर विशेष रूप से सीमित डेटा ही उपलब्ध है। पीड़ित–केंद्रित दृष्टिकोण के लिए जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, तथा विशिष्ट प्रकार की तस्करी (उदाहरण के लिए, यौन शोषण) पर विचार–मनन करते समय यह जानकारी अत्यधिक उपयोगी हो सकती है। वर्तमान अध्ययन और सरकारी प्रकाशन भी मनी–लॉन्डरिंग के तरीकों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, और व्यक्तियों के अवैध कारोबार तथा प्रवासियों की तस्करी के बारे में एक ही छत्र के नीचे विचार–मनन करते हैं। इसके परिणामस्वरूप इन अपराधों के तरीकों और संकेतकों का बहुत ही व्यापक रूप से वर्णन किया जाता है। बेहतर आंकड़े और विश्लेषण खतरा आकलन को समर्थन देने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे आपराधिक न्याय प्रतिक्रियाओं और इन प्रतिक्रियाओं में गैर-सरकारी क्षेत्र के योगदान को मार्गदर्शन मिल सकता है।

वित्तीय पदछाप रिपोर्ट में सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र की साझेदारियों के हाल ही के अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण भी दर्शाए गए हैं, ताकि व्यक्तियों के अवैध कारोबार का पता लगाया जा सके, तस्करों का सफलतापूर्वक अभियोजन करने के लिए समर्थन मिल सके और अवैध उद्देश्यों के लिए वित्तीय प्रणाली के उपयोग को अवरुद्ध करने के लिए इसे सशक्त बनाया जा सके। ये साझेदारियाँ व्यक्तियों के अवैध कारोबार के विरोध में रक्षापंक्ति के रूप में गैर-सरकारी क्षेत्र को बेहतर ढंग से सँलग्न किए जाने, तथा जाँच–पड़तालों और अभियोजनों को समर्थन देने के लिए प्रासँगिक ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग किए जाने की एक महत्वपूर्ण क्षमता प्रदर्शित करती हैं।

बाली प्रक्रिया के सदस्य देशों द्वारा प्रश्नावली में दिए गए प्रत्युत्तरों के माध्यम से इस क्षेत्र में व्यक्तियों के अवैध कारोबार से प्राप्त हुए लाभों की मनी–लॉन्डरिंग करने के निम्नलिखित प्रमुख तरीकों की पहचान की गई:

- कम मूल्य के लेनदेनों का उपयोग (अक्सर घोषणा–सीमाओं से कम)
- धन या मूल्य स्थानाँतरण सेवा प्रदाताओं का उपयोग
- वैध व्यवसाय से प्राप्त आय के साथ इन लाभों का सँयोजन, और
- इन लाभों का दूसरों के प्रति हस्ताँतरण।

प्रश्नावली के प्रत्युत्तरों से यह भी पता चलता है कि जब किसी व्यक्ति की जीवनशैली उसकी आय के समुचित स्रोत के अनुरूप नहीं होती है, तो यह एक प्रमुख वित्तीय संकेतक है। व्यक्तियों के अवैध कारोबार, या व्यक्तियों के अवैध कारोबार से संबंधित मनी–लॉन्डरिंग का पता लगाने के सबसे सामान्य तरीके कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा संचालित जाँच–पड़तालें, वित्तीय सँस्थानों द्वारा दायर की गई संदेहास्पद लेनदेन रिपोर्टें और पीड़ितों की शिकायतें हैं।[11]

11 Ibid पृ.35

अनुभाग 4: वित्तीय गुप्तचर इकाइयाँ (एफआईयू)

4.1 सरकार मनी–लॉन्डरिंग गतिविधि की पहचान कैसे करती है?

एफआईयू 'धन का अनुसरण' के दृष्टिकोण का पालन करने को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। किसी व्यक्ति या निकाय द्वारा मनी–लॉन्डरिंग किए जाने का पता लगाने के लिए सरकार को वित्तीय सँस्थानों तथा कैसिनों, कंपनी सेवा प्रदाताओं, वकीलों एवं एकाउंटेंट जैसे अन्य गैर–वित्तीय सँस्थानों और व्यावसायिकों से जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। मनी–लॉन्डरिंग विरोधी मानक यह निर्धारित करते हैं कि किन सँस्थाओं को संदेहास्पद लेनदेनों की घोषणा करनी चाहिए, और इन्हें उद्घोषक निकाय कहा जाता है। फिर सरकार अपने एफआईयू के माध्यम से संदेहास्पद लेनदेन या मामले रिपोर्ट शीर्षक की रिपोर्टों के माध्यम से उद्घोषक निकायों से जानकारी प्राप्त करती है। एफआईयू इस जानकारी का विश्लेषण करती है, और इसे अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को प्रदान करती है। नीचे दिया गया चित्र एफआईयू से जानकारी के आदान-प्रदान का प्रवाह दर्शाता है।

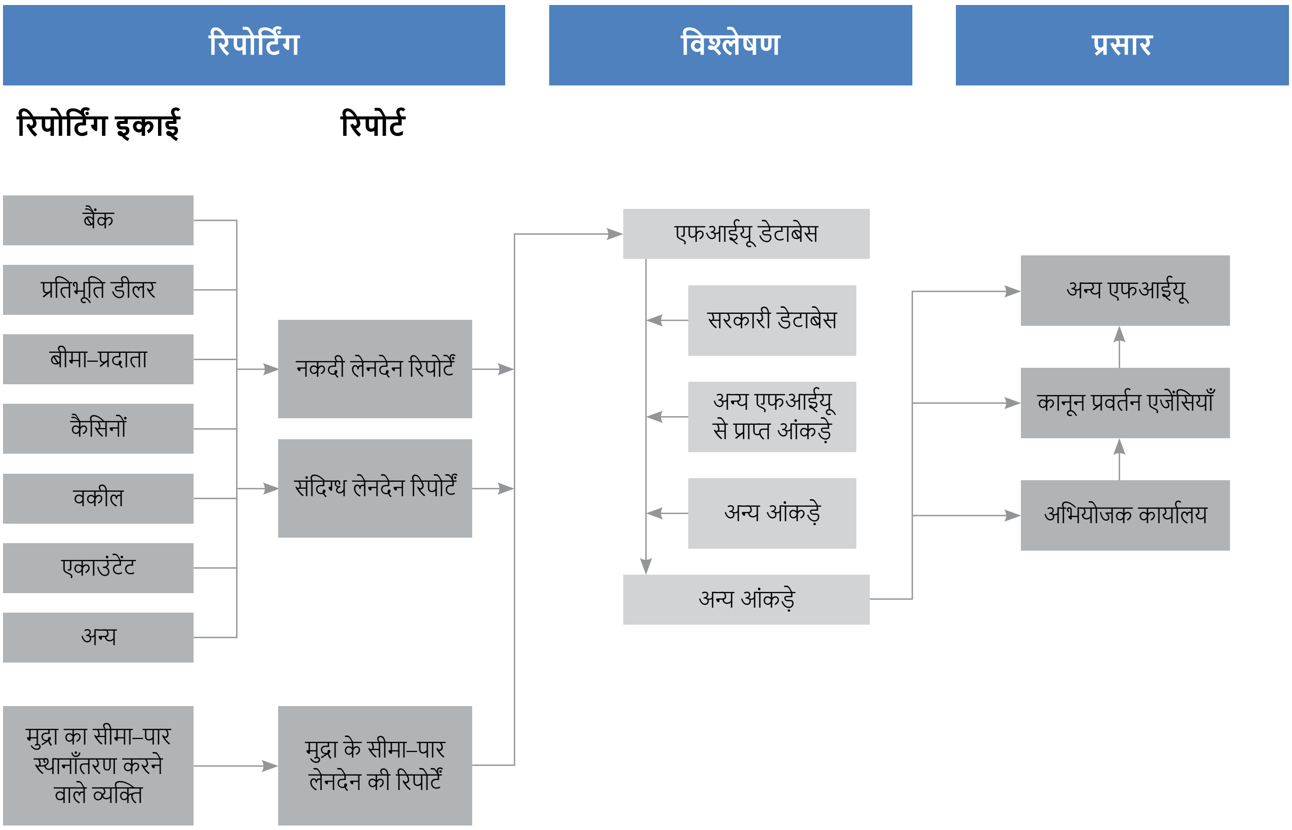

आरेख: वित्तीय गुप्तचर इकाइयाँ: एक अवलोकन, आईएमफ विश्व बैंक, 2004[12]

12 https://www.imf.org/external/pubs/ft/FIU/fiu.pdf

4.2 एफआईयू क्या करती हैं?

अलग–अलग देशों में अलग–अलग प्रकार की एफआईयू होती हैं, जो इस बात पर निर्भर करता है कि उस देश के सँदर्भ में और उसकी आवश्यकताओं के लिए सबसे अच्छा प्रकार क्या होगा। सभी एफआईयू के ऊपर गुप्त वित्तीय जानकारी की प्राप्ति, विश्लेषण और प्रसार की जिम्मेदारी होती है।

एफएटीएफ **एफआईयू के एग्मोंट समूह**–152 एफआईयू के एक वैश्विक निकाय–में सदस्यता हेतु आवेदन करने के लिए सभी एफआईयू को प्रोत्साहित करता है।

एफआईयू के कार्यों का एक प्रमुख तत्व एग्मोंट सुरक्षित जाल (ईएसडब्ल्यू) के माध्यम से विदेशी समकक्षों के साथ सहयोग करके जानकारी साझा करने की क्षमता है।[13] अलग–अलग एफआईयू के बीच जानकारी के आदान–प्रदान से और अधिक शीघ्रतापूर्वक गुप्त वित्तीय जानकारी प्राप्त की जा सकती है, परंतु इसका उपयोग एफआईयू की सहमति के बिना आपराधिक कार्यवाहियों में प्रमाण के तौर पर प्रदाताओं द्वारा नहीं किया जा सकता है।

जाँच–पड़ताल या अभियोजन में एफआईयू के समर्थन के तरीके को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण अंतर यह है कि कुछ एफआईयू खोजी कार्य करती हैं, और कुछ अन्य यह कार्य नहीं करती हैं। इसमें लेनदेन को ज़ब्त करने और परिसँपत्ति को अधिग्रहीत करने की शक्तियाँ शामिल हो सकती हैं। बहुत सी एफआईयू मनी–लॉन्डरिंग के तरीकों के बारे में उद्योग को शिक्षित करने और अवहेलना करने पर जुर्माने और दण्ड जारी करने के माध्यम से विनियामक प्रावधानों का अनुपालन लागू करने में भूमिका भी निभाती हैं।

सुझाव: अपनी एफआईयू के साथ सक्रियात्मक संलग्नता को बढ़ावा दें

- एजेंसियों के बीच नियमित रूप से जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहन दें।
- अंतर्दृष्टियों और अनुभवों का दो–तरफा आदान–प्रदान सुनिश्चित करने के लिए अपनी जाँच एजेंसी या विशेषज्ञ जाँच टीमों में अपनी एफआईयू से बाहर पदस्थ अधिकारियों या इसमें निहित अधिकारियों को शामिल करने, और इसकी विपरीत दिशा में भी इसी तरह से शामिल करने के बारे में विचार करें।

4.3 आपकी एफआईयू आपकी जाँच को समर्थन कैसे दे सकती है?

व्यक्तियों के अवैध कारोबार की जाँच–पड़ताल और अभियोजनों को समर्थन देने के लिए एफआईयू उपयोगी जानकारी और सहायता उपलब्ध करा सकती हैं। एफआईयू द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता के प्रकारों की सूची नीचे दी गई है। आपके देश में एफ़आईयू का मॉडल उसके द्वारा आपको उपलब्ध कराए जाने वाले समर्थन को प्रभावित करेगा। एफआईयू निम्नलिखित के माध्यम से **जाँच–पड़ताल** के प्रयासों को समर्थन दे सकती हैं:

- **वित्तीय गुप्तचर रिपोर्टें** विकसित करके, जो संदिग्ध रूप से मनी–लॉन्डरिंग और आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्ति–विशेषों और निकायों के बीच सँबंध स्थापित कर सकती हैं।
- संदिग्ध लेनदेन रिपोर्टों, नकदी लेनदेन रिपोर्टों, नकदी सीमा–पार रिपोर्टों और अन्य प्रासँगिक सूचना से संबंधित **वित्तीय जानकारी** प्रदान करके। इसके माध्यम से आपको **आपराधिक मुजरिमों की पहचान** करने में मदद मिल सकती है और **वर्तमान जाँच–पड़तालों के लिए समर्थन** मिल सकता है या **नए मामले आरंभ** किए जा सकते हैं।
  - **संदिग्ध वित्तीय लेनदेनों की आरंभ में ही पहचान करने से आपराधिक मामलों** को रोकने में सहायता मिल सकती है, उदाहरण के लिए आतंकवाद से संबंधित मामलों में, या वर्तमान में चल रही आपराधिक गतिविधि का संकेत मिल सकता है, उदाहरण के लिए मानव तस्कर को किया गया भुगतान।
- **कुछ न्यायाधिकार–क्षेत्रों में खातों को ज़ब्त करने और परिसँपत्तियों का अधिग्रहण करने की क्षमता होती है**, और कुछ मामलों में **निश्चित समयावधि के लिए लेनदेन अवरुद्ध करने** की क्षमता होती है। ऐसा करने से आपको अपने वक्तव्य की पुष्टि हेतु आगे की पूछताछ के लिए समय प्राप्त करने के उद्देश्य से धनराशि को संरक्षित करने में सहायता मिल सकती है।
- **जाँच–पड़ताल को समर्थन देने के लिए वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान करके**–उदाहरण के लिए, आपकी एफआईयू वित्तीय प्रमाणों की जाँच और विश्लेषण के लिए, और कुछ मामलों में वैधानिक कार्यवाही में सहायता के लिए न्यायालयिक एकाउंटेंट की सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हो सकती है।

13 वित्तीय गुप्तचर इकाई: एक अवलोकन आईएमएफ–विश्व बैंक 2004। http://www.egmontgroup.org/about/financial-intelligence-units-fius एग्मोंट समूह के सदस्य देशों की सूची के लिए कृपया यह वेबपेज देखें: https://www.egmontgroup.org/en/membership/list

- अपने विदेशी समकक्षों के साथ सहयोग के माध्यम से **अंतर्राष्ट्रीय सूचना साझाकरण की सुविधा देकर।** उदाहरण के लिए, कुछ एफआईयू के पास विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सूचना का आदान–प्रदान करने का अधिकार होता है, और कुछ एफआईयू को इंटरपोल तथा यूरोपोल समेत अन्य अंतर्राष्ट्रीय सँगठनों के साथ जानकारी साझा करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।
- कुछ मामलों में आपके राष्ट्र में लागू एफआईयू मॉडल के आधार पर, एफआईयू **वास्तव में जाँच कर सकती है या सँयुक्त कार्यबलों का हिस्सा हो सकती है।**

सुझाव

अपनी एफआईयू के साथ जाँच–पड़ताल में शुरू से ही सँलग्न होकर इस बात का पता लगाएँ कि वह आपको समर्थन कैसे दे सकती है।

सुझाव

हो सकता है कि आपके द्वारा संदिग्ध समझा जाने वाला व्यक्ति पहले से ही एफआईयू के डेटाबेस में दर्ज हो। उपलब्ध रिपोर्टें माँगने के बारे में एफआईयू को निवेदन भेजने पर विचार करें, जिसमें ऐसे विदेशी राष्ट्रों के पास भी निवेदन भेजा जा सकता है जहाँ आपके संदिग्ध ने यात्रा की है या जहाँ उसने विदेश में धन स्थानाँतरित किया है या वहाँ से प्राप्त किया है।

एफआईयू निम्नलिखित माध्यमों से **अभियोजन** के प्रयासों में समर्थन दे सकती हैं:

- वित्तीय जानकारी में खामियाँ होने पर अभियोजकों को समर्थन देने के लिए **पूछताछ करके।**
- अभियोजन को **समर्थन देने के लिए वित्तीय विशेषज्ञता प्रदान** करके, जिसमें जटिल वित्तीय लेनदेनों को समझाने के लिए विशेषज्ञ प्रमाण का प्रावधान शामिल हो सकता है।

एफआईयू निम्नलिखित माध्यमों से **रोकथाम** के प्रयासों में समर्थन दे सकती हैं:

- **गुप्तचर उत्पादों** का निर्माण करके। इसमें एफआईयू से एफआईयू के बीच नेटवर्कों के माध्यम से विदेशी समकक्षों से प्राप्त होने वाली जानकारी शामिल है। ये नेटवर्क न्यायाधिकार–क्षेत्रों के बीच जानकारी के शीघ्र आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान कर सकते हैं (जो अक्सर आपसी वैधानिक सहायता या राजनयिक चैनलों की तुलना में अधिक तेज होता है)।
- विशिष्ट अपराध के संकेतक वित्तीय लेनदेनों और खाता विशेषताओं की पहचान करने के लिए **टाइपोलॉजी रिपोर्ट** बनाकर और खोजबीन करके। इससे कानून प्रवर्तन और रिपोर्टिंग सँस्थाओं द्वारा रोकथाम और अन्वेषण के प्रयासों को सूचित करने में सहायता मिल सकती है।
- संदिग्ध लेनदेनों की पहचान करने के लिए रिपोर्टिंग निकायों के **कर्मियों को प्रशिक्षित करके।**
- **उद्योग जागरुकता कार्यक्रम** प्रदान करके और शिक्षा एवं विनियामक आवश्यकताओं के प्रवर्तन के माध्यम से उद्योगों द्वारा एएमएल निवारक उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करके।

4.4 मामला अध्ययन

पृष्ठभूमि

अप्रैल 2016 में टिमोर–लेस्ट के तीन प्रवासी कर्मियों के मामले पर इंडोनेशिया में जनता का ध्यान आकर्षित हुआ था, जिनकी मलेशिया में मृत्यु हो गई थी। इनमें से एक कर्मी का परिवार इस बात से अवगत नहीं था कि 2 सितंबर 2015 को गुम हो जाने के बाद से वह विदेश में काम कर रही था। कर्मियों को विदेश भेजने की श्रेणी में इंडोनेशिया का 9वाँ सबसे बड़ा प्राँत पूर्वी नुसा तेंगारा (एनटीटी) है और इंडोनेशिया के सबसे अधिक सँख्या में हताहत होने वाले प्रवासी कर्मी यहाँ से हैं। 2015 और 2016 के बीच अनुमानित रूप से 4144 एनटीटी लोगों को विदेश भेजा गया था। यह अनुमान लगाया जाता है कि 2015 से 2017 की अवधि में एनटीटी के 99 प्रवासी कर्मियों की मृत्यु हो गई थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने इंडोनेशियाई राष्ट्रीय पुलिस को समस्या की जाँच–पड़ताल करने का निर्देश दिया, जिसके परिणामस्वरूप मानव तस्करी कार्य बल की स्थापना की गई और कुपांग के जिला पुलिस प्रमुख को मामले की जाँच–पड़ताल करने के लिए निर्देश दिया गया। जाँच के दौरान पूरे इंडोनेशिया और मलेशिया–भर में फैले हुए 12 मानव तस्करी नेटवर्कों की पहचान की गई।

धन के प्रवाह

जनवरी 2015 से अगस्त 2016 की अवधि के दौरान इस नेटवर्क ने सफलतापूर्वक 2279 प्रवासी कर्मियों को मलेशिया भेजा था। उन लोगों के प्रस्थान से नेटवर्क को प्राप्त कुल लेनदेन का मूल्य US$ 563,446.00 था। वित्तीय लेनदेन के आंकड़ों के आधार पर एल तारी हवाईअड्डे पर अवैध एजेंटों के साथ व्यवहार करने वाले अपराधी को 1 जनवरी 2015 से 8 अगस्त 2016 की अवधि के दौरान US$244,125.69 प्राप्त हुए थे। यह मलेशिया, सिंगापुर, हांगकांग और सऊदी अरब के लिए 1787 लोगों की आवाजाही से संबंधित था, जिसमें 48 बच्चे भी शामिल थे।

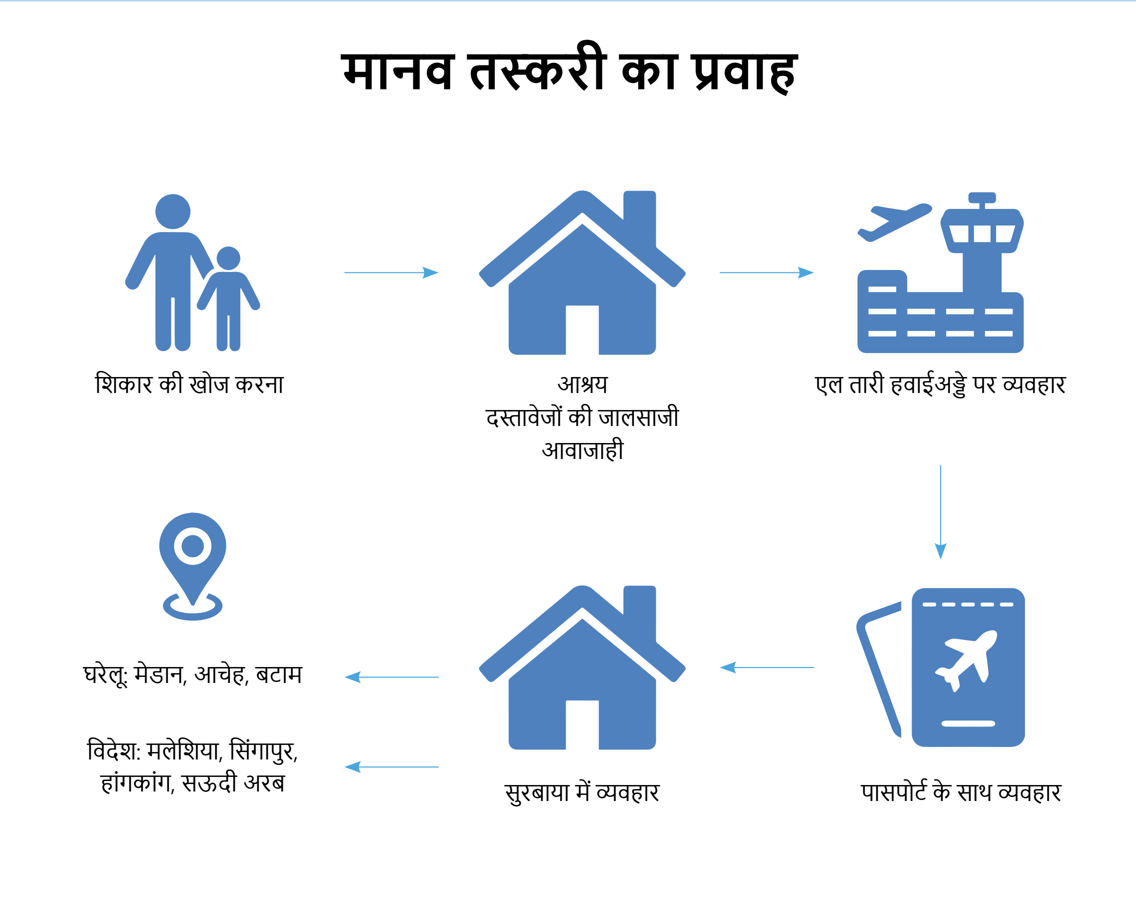

इंडोनेशिया की वित्तीय गुप्तचर इकाई, पीपीएटीके ने 64 संदेहास्पद लेनदेन रिपोर्टों का विश्लेषण किया, जिससे:

- यह पता चला कि कुपंग की जिला पुलिस द्वारा जाँच किए गए 48 समूहों के सँबंध में US$13.5 मिलियन की धनराशि का भुगतान किया गया था।
- एनटीटी में सक्रिय मानव तस्करी नेटवर्कों के बीच की कड़ियों का पता चला।
- इस विश्लेषण ने पूर्वी नुसा तेंगारा में मानव तस्करी परिचालन को निधीकृत करने वाले वित्तपोषकों की पहचान करने में सहायता प्रदान की।
- विश्लेषण ने धन का अनुसरण करने के दृष्टिकोण का पालन करते हुए नेटवर्क की मैपिंग में जाँचकर्ताओं को समर्थन दिया।

खतरे के संकेत

सँ.	चेतावनी संकेतक	चर कारक	उदाहरण
1	ग्राहकों की प्रतीति	गैर-सरकारी क्षेत्र	• मालिक/पीपीटीकेआईएस कर्मी (वैध और अवैध, दोनों) • मुद्रा परिवर्तक • भ्रमण और यात्रा व्यवसायों के मालिक/कर्मी • विमानन सेवाएँ • माल ढुलाई/परिवहन सेवाएँ • आवास–किराएदारी सेवाएँ
		सरकारी क्षेत्र	• आव्रजन अधिकारी • उड़ान सुरक्षाकर्मी • सैन्य कर्मी • पुलिस अधिकारी
2	लेन–देन को समझना	प्रमुख शब्द	बच्चे/बच्चा; लोग; टिकट; भोजन भत्ता; घरेलू सेविका; पासपोर्ट शुल्क; यात्रा; नौकरानियाँ; आरएम; भुगतान शुल्क; बच्चे का वेतन आदि।
3	लेनेदेन के प्रवाह	बैंकिंग प्रणाली	• ओवरबुकिंग • एटीएम से स्थानांतरण • आईबी/एमबी के माध्यम से लेनदेन • टेलीग्राफिक हस्ताँस्तरण
4	लेन–देन के प्रारूप	सम्मिश्रण	वैध व्यावसायिक लाभों का अपराधजनित लाभों के साथ सम्मिश्रण, जो पीपीटीकेआईएस मालिक/कर्मी कहे जाने वाले कई पक्षों के खातों में पाया जाता है। अपराधजनित लाभों के उद्गम का प्रतिरूपण करने/छिपाने का संकेत।
5	तस्करी की गतिविधियों के चरणों के मिलान में वित्तीय लेनदेन विश्लेषण ने भी योगदान दिया, जिसमें सर्वसामान्य से तस्करी किए जाने वाले कर्मियों की पहचान, आश्रय, मूल नगर से पारगमन और गंतव्य नगरों/देशों की यात्रा, दस्तावेजों की जालसाजी से लेकर सरकारी तंत्र को रिश्वत देने के आरोप शामिल हैं। इस जाँच–पड़ताल में खाताधारकों की प्रतीति, लेनदेन की तिथि, लेनदेन की धनराशि और लेनदेन के स्थानों से प्राप्त जानकारी का उपयोग करके मिलान का तरीका लागू किया गया था।		

परिणाम

कुपांग जिला पुलिस के जाँचकर्ता 11 नेटवर्कों को नष्ट करने और 32 संदिग्धों की पहचान करने में सफल हुए। 32 संदिग्धों में से 11 संदिग्धों को न्यायालय में मानव तस्करी के लिए 2 से 9 वर्षों की कैद की सजा सुनाई गई है। न्यायालय ने US$9,230.00 से लेकर US$153,800.00 तक की धनराशि के साथ जुर्माना भी लगाया और पीड़ितों और मृतक पीड़ितों के परिवारों को US$77.00 से लेकर US$4,230.00 तक की राहत प्रदान की। व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामले में एक हवाईअड्डे के आव्रजन अधिकारी को 4 वर्षों की कैद, US$15,300.00 का जुर्माना और पीड़ित के परिवार के लिए US$77.00 की बहाली का दण्ड भी दिया गया।

अनुभाग 5: जाँच–पड़ताल

5.1 वित्तीय जाँच–पड़ताल क्या होती है?

वित्तीय जाँच–पड़ताल एक अन्वेषण तकनीक है जिसे आपराधिक कार्यवाही में शामिल किसी संदिग्ध या गवाह के वित्तीय इतिहास और गतिविधि के बारे में सूचना, गुप्त जानकारी और प्रमाण एकत्र करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। वित्तीय जाँच–पड़ताल में अपराध से संबंधित सभी वित्तीय तत्वों को देखा जाता है, जिसमें आपराधिक कृत्य के लिए तैयारी और इसके परिचालन में निवेशित धन, अपराध के संचालन के दौरान लागतें, और अपराध के परिचालन से प्राप्त भुगतान और लाभ शामिल हैं।

मनी लॉन्डरिंग का अपराध वित्तीय प्रक्रिया के किसी भी चरण पर लागू हो सकता है, जिसे प्रदर्शित करने के यह तत्व स्थापित करना महत्वपूर्ण है कि धन का लेनदेन करने वाला व्यक्ति **इस बात से अवगत था या उसे इस बात का संदेह होना चाहिए था कि वह धन अपराध से उत्पन्न हुआ है, या उस धन का उद्देश्य अपराधिक कृत्य करने में उसे प्रयुक्त किया जाना है।** संदिग्ध या असामान्य गतिविधि की जानकारी के अलग–अलग स्रोतों को साथ–मिलाकर यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

सुझाव

वित्तीय जाँच–पड़ताल के प्रमुख उद्देश्य आपराधिक कृत्य किए जाने के दौरान **धन की आवाजाही** की पहचान व प्रलेखन करना, और अपराध व अपराधजनित लाभों में शामिल अन्य भागीदारों की पहचान करना है। धन कहाँ से आता है, इसे कौन प्राप्त करता है, कब प्राप्त किया जाता है, और कहाँ संग्रहीत या जमा किया जाता है – इनके बीच की कड़ी **आपराधिक गतिविधि का प्रमाण प्रदान कर सकती है।**

5.2 यह कैसे प्रदर्शित किया जा सकता है कि धन को कैसे और कहाँ स्थानाँतरित किया गया है?

धन से संबंधित घटनाओं के पदचिह्नों से संबंधित या इन्हें प्रदर्शित करने वाला कोई भी रिकॉर्ड महत्वपूर्ण होता है। कुछ देश काफी सीमा तक नकदी–आधारित अर्थव्यवस्था बने हुए हैं, परंतु अब लोग बढ़ती हुई सँख्या में इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग तंत्रों, वायर हस्ताँतरणों, बैंक कार्डों और इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग कर रहे हैं–ये सभी किसी न किसी प्रकार का पदचिह्न छोड़कर जाते हैं। परंतु नकदी–आधारित लेनदेन का भी रिकॉर्ड बनाकर रखा जा सकता है, उदाहरण के लिए चालान, अनुबंध, रसीद या खाता–पुस्तक, आदि। इन लेनदेनों की इलेक्ट्रॉनिक या अन्यथा प्रकृति और इनसे संबंधित रिकॉर्ड जाँचकर्ताओं को सूचना या प्रमाणों का लगभग अंतहीन स्रोत उपलब्ध कराते हैं।

धन की आवाजाही से संबंधित स्रोत के बारे में सूचना, गुप्त जानकारी या प्रमाण, या धन के मूल्य से संबंधित जानकारी जाँच–पड़ताल की प्रकृति के आधार पर अलग–अलग होगी। परंतु अधिकाँश जाँच–पड़तालों में कई सामान्य स्रोतों का नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन यह सूची केवल इन्हीं तक सीमित नहीं है:

- संदिग्ध (पॉकेट लिट्टर)
- आवाजाही/जलपोत वाहक
- अन्य व्यवसाय और पेशे
- मोबाइल फोन
- वित्तीय सँस्थाएँ
- उपयोगिताएँ
- बीमा कंपनियाँ
- वाहन पंजीकरण विभाग
- क्रेडिट एजेंसियाँ
- भूमि पंजीकरण रजिस्ट्री
- पेंशन प्रदाता
- कर प्राधिकरण/सामाजिक सुरक्षा
- सरकारी रजिस्ट्रियाँ और प्राधिकरण
- लॉयल्टी कार्ड, उदाहरण के लिए एयरलाइन फ्रीक्वेंट फ्लायर और होटल सदस्यता कार्ड

तीन विशिष्ट स्रोत प्रकाशित करने योग्य हैं: (1) वित्तीय सँस्थान, क्योंकि वे जानकारी के सबसे सामान्य स्रोत होते हैं; (2) उपयोगिता बिल; और (3) लॉयल्टी कार्ड, क्योंकि वे उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं, लेकिन संभावित रूप से इनका कम प्रयोग किया जा सकता है।

वित्तीय सँस्थाएँ

वित्तीय सँस्थानों से प्राप्त सूचना में खाता खोलने के रिकॉर्ड (बताई गई पहचान, रोजगार और घोषित आय की जानकारी के लिए उपयोगी) और साथ ही खाते का संपूर्ण इतिहास शामिल हो सकता है। चेक, क्रेडिट वाउचरों और अन्य लेनदेन के रिकॉर्डों के साथ क्रेडिट, डेबिट और बैलेंस दिखाने वाले कॉपी बैंक स्टेटमेंट उपलब्ध होंगे, तथा खाते के परिचालन की अवधि के दौरान बैंक अधिकारियों की संभावित हस्तलिखित टिप्पणियाँ भी उपलब्ध हो सकती हैं। क्रेडिट या डेबिट कार्ड का उपयोग किए जाने की स्थिति में यह जानकारी व्यक्तियों की आवाजाही का चित्रण करने, वे किन रेस्तरांओं में भोजन करते हैं, क्या वस्तुएँ खरीदते हैं, कौन से स्थानों में अक्सर जाते हैं, और किन क्लबों और सामाजिक आउटलेटों में मेल–मिलाप करते हैं – इन सब तथ्यों के लिए उपयोगी हो सकती है। इससे अन्य खातों का पता लगाने का मार्ग खुल सकता है, अन्यत्रता स्थापित या बाधित की जा सकती है, खर्चों और जीवनशैली की गणना की जा सकती है और अन्य आपराधिक सहयोगियों की पहचान की जा सकती है। समसामयिक रूप से सुलभ होने पर इस जानकारी का उपयोग व्यक्तियों की भौगोलिक स्थिति का पता लगाने के लिए भी किया जा सकता है।

उपयोगिता बिल

उपयोगिता कंपनियों से पूछताछ करने के माध्यम से आवासीय आस्थिति की पुष्टि के अलावा अक्सर पहले के अज्ञात खातों, वित्तीय लेनदेन या अन्य सहयोगियों के अस्तित्व का पता चल सकता है, जो संभावित रूप से सेवाओं का भुगतान करते हैं। इसी प्रकार इंटरनेट और टेलीफोन प्रदाताओं के मामलों से भी रुचि के अन्य लोगों और अपराध में सहयोगियों की पहचान की जा सकती है।

लॉयल्टी कार्ड

वन वर्ल्ड, स्टार एलायंस या स्काई टीम जैसे एयरलाइन के फ्रीक्वेंट फ्लायर सदस्यता कार्ड, अथवा हिल्टन, स्टारवुड या मैरियट होटलों के होटल चेन लॉयल्टी कार्ड बहुमूल्य जानकारी प्रदान कर सकते हैं। इस जानकारी में ग्राहक की प्रतीति, उदाहरण के लिए उसका नाम, पता, ईमेल और मोबाइल टेलीफोन नंबर, तथा सेवाओं का भुगतान करने के लिए प्रयुक्त बैंक/क्रेडिट कार्ड खातों का विवरण शामिल है। विमान–यात्राओं के विवरण, वे कौन से होटलों में गए थे और इन अवधियों के दौरान यात्री के साथ अन्य कौन व्यक्ति था, इसके बारे में जानकारी भी उपलब्ध होगी।

सुझाव

आपका संदिग्ध परिजनों या निकट के व्यक्तिगत और व्यावसायिक सहयोगियों की पहचान के पीछे संभावित रूप से धन को छिपा सकता है। अपने अन्वेषणों में ऐसे लोगों को शामिल करना भी सुनिश्चित करें, जो आपके संदिग्ध की ओर से धन को संग्रहीत या स्थानाँतरित कर सकते हैं।

5.3 सूचना और प्रमाण एकत्रीकरण

व्यक्तियों के अवैध कारोबार की समग्र जाँच–पड़तालों के एक अंश के रूप में समानांतर वित्तीय जाँच–पड़ताल स्थापित करना एक अच्छी कार्यप्रथा है। जाँचकर्ताओं, एफआईयू और अभियोजकों के बीच का समन्वयन व्यक्तियों के अवैध कारोबार की आपराधिक जाँच–पड़ताल में अतिरिक्त मूल्य प्रदान करेगा, और यह मनी–लॉन्ड्रिंग विरोधी अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में आपके देश की सहायता भी करेगा।

सुझाव

व्यक्तियों के अवैध कारोबार के सभी अपराधों की अपनी जाँच–पड़ताल के संयोजन में एक **पूर्वसक्रियात्मक समानांतर वित्तीय जाँच–पड़ताल** विकसित करें। आपके द्वारा प्राप्त किया गया प्रमाण विधेय अपराध को प्रमाणित करने में सहायता दे सकता है, और मनी–लॉन्डरिंग के लिए एक अलग अपराधसिद्धि को भी सशक्त कर सकता है।

आपकी मानक जाँच–पड़ताल संचालन प्रक्रियाओं के हिस्से के रूप में एक वित्तीय जाँच–पड़ताल सूची शामिल करके इसे हासिल किया जा सकता है।

सुझाव

यह सुनिश्चित करें कि अपराधों की पूरी तरह से जाँच–पड़ताल करने के लिए आपकी प्रतिक्रिया **सभी संबंधित एजेंसियों** (जाँचकर्ताओं, एफआईयू और अभियोजकों) **की विशेषज्ञता** को साथ लाती है।

जानकारी को प्रकट–स्रोतों या अप्रकट–स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है, उदाहरण के लिए इंटरनेट तथा कंपनी या भूमि पंजीकरण रजिस्ट्री रिकॉर्ड (प्रकट) और वित्तीय सँस्थान या कर संबंधी रिकॉर्ड (अप्रकट)।

सभी मामलों में जानकारी प्राप्त करते समय वित्तीय जाँचकर्ताओं को अपने घरेलू वैधानिक ढाँचों के दायरे में रहते हुए कार्य करना चाहिए और इस प्रकार की जाँच–पड़ताल को आनुपातिक, वैध, जवाबदेह और आवश्यक (पीएलएएन – PLAN) स्वरूप में न्यायसंगत सिद्ध करने में सक्षम होना चाहिए। इन संकेतों को प्रदर्शित कर पाना महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जाँचकर्ताओं को उपलब्ध हस्तक्षेपी प्रकृति की शक्तियाँ उन्हें सेवार्थी निजता का अधिक्रमण करने और व्यक्ति के निजता–संबंधी मौलिक अधिकार को भंग करने की क्षमता प्रदान करती हैं। हर समय सख्ती से नियंत्रण और सुगमता निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

सुझाव: यह सुनिश्चित करें कि आप अपनी जाँच–पड़ताल की निम्नलिखित विशेषताएँ सिद्ध कर पाने में सक्षम हों:

- **आनुपातिक**
  - क्या कार्यवाही खतरे के अनुपात में है?
  - क्या इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कम हस्तक्षेपी प्रकृति की विधि उपलब्ध है?
- **वैध**
  - क्या कार्यवाही के लिए वैधानिक आधार उपस्थित है?
  - क्या कार्यवाही वैधानिक दायित्वों के अनुरूप है, जिनमें मानवाधिकार, गोपनीयता, डेटा संरक्षण और निजता की आवश्यकताएँ शामिल हैं?
- **जवाबदेह**
  - क्या निर्णय जवाबदेह हैं?
- **अनिवार्य**
  - क्या कार्यवाही अनिवार्य है?
  - क्या जानकारी जाँच–पड़ताल के लिए महत्वपूर्ण रूप से उपयोगी होगी?

मामला प्रबंधन प्रणाली का प्रभावी रूप से उपयोग, चाहे वह आधारभूत ही क्यों न हो, वित्तीय जाँच–पड़ताल के लिए आवश्यक होता है। अक्सर प्राप्त की जाने वाली जानकारी का परिमाण काफी अधिक होगा। क्या प्राप्त किया गया है और इसका स्रोत क्या है, इसका स्पष्ट रिकॉर्ड बनाए रखने से जाँच–पड़ताल के उत्तरार्ध या न्यायालय में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में सहायता मिलेगी। यदि बाद में यह पूछा जाएगा कि निजता में हस्तक्षेपी प्रकृति की कार्यवाही क्यों की गई, तो विशिष्ट प्रकार की नीति होने या निर्णय का रिकॉर्ड रखने से भी सहायता मिलेगी।

⚠ चेतावनी

दस्तावेजों के अनुपयुक्त प्रबंधन के कारण कई मामले हारे जा चुके हैं, क्योंकि दस्तावेज के अधिग्रहण या इसे अभिरक्षण में लेने के समय और स्थान की श्रृंखला के लिए वैधानिक आधार प्रदर्शित करने की सक्षमता नहीं थी।

सुझाव

अपनी जाँच–पड़ताल की पूरी अवधि के दौरान प्राप्त की गई वित्तीय जानकारी का मार्ग चिह्नित करने के लिए एक मामला प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करें।

सुझाव

यह सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा अभीग्रहीत दस्तावेजों को एक संपत्ति अधिग्रहण रिकॉर्ड में अलग–अलग नाम–चिह्नित करके दर्ज किया गया है और अभिरक्षण श्रृंखला की समयरेखा के रिकॉर्ड के साथ किसी सुरक्षित स्थान पर रखा गया है।

5.4 मामला अध्ययन

मे जा किम, ऑस्ट्रेलिया में मनी लॉन्डरिंग और वैश्यावृत्ति से प्राप्त लाभों के सहारे जीवन–यापन करने की दोषसिद्ध महिला

मे जा किम 100 से भी अधिक महिला यौनकर्मियों द्वारा अर्जित आय के एक अनुपातिक अंश के आधार पर विलासितापूर्ण जीवन–यापन कर रही थी, जिन्हें दक्षिणपूर्व एशिया से एकत्र किया गया था और अच्छे वेतन और शर्तों के वादे के साथ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में लाया गया था। उसके पास यौनकर्मी कारोबार का परिचालन करने या उनकी आय में से कुछ भी अंश लेने का लाइसेंस नहीं था, परंतु उसने ऐसा किया। किम ने यौनकर्मियों की निगरानी करने के लिए बिना लाइसेंस वाले 'ओवरसियर' नियुक्त किए थे और वह उनके साथ मुलाकातें करती थी, जिनमें महिलाओं से अधिक से अधिक काम निकलवाने और खराब काम करने वाली महिलाओं पर जुर्माना लगाने के बारे में चर्चा की जाती थी। जब पुलिस जाँच–पड़ताल कर रही थी, तो वह झूठे नामों से प्राप्त किए गए 12 मोबाइल फोनों का प्रयोग कर रही थी। किम के सह–अपराधी यौनकर्मियों से संबंधित दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों का संचालन करने में उसकी सहायता करते थे, जिसमें आय एकत्र करना और काम के समय की पारियाँ निर्धारित करना शामिल था। कर्मी भुगतान सारांशों के विश्लेषण से इस बात की गणना करने का आधार प्राप्त हो पाया कि किम ने अपने अपराधों से कितना धन कमाया था और इसके परिणामस्वरूप AU$2,509,000.00 के दंडात्मक जुर्माने का आदेश जारी किया गया।

'धन का अनुसरण' करने से जाँचकर्ता यह प्रदर्शित कर पाए कि वैश्यालयों के प्रबंधन और वैश्यालय चलाने के लिए व्यक्तियों के अवैध कारोबार में किम प्रत्यक्ष रूप से शामिल थी। इन अपराधों से प्राप्त लाभों और उसकी विलासितापूर्ण जीवनशैली के मार्ग का अनुसरण किया गया। इसमें मेलबर्न में स्थित तीन एपार्टमेंट और एक मकान, तथा एक ऑडी 6, मर्सिडीज बेंज़ ई500 और एक ग्रैंड जीप चेरोकी सहित कई महंगी कारें शामिल थीं। इस मामले की सफलता के प्रमुख तत्वों में ऑस्ट्रेलियाई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग और उसके 'नोट्स' का पुनर्निर्माण शामिल था, जिनमें प्रत्येक लड़की ने जितने ग्राहकों के साथ समय बिताया था, उसके आधार पर उसकी आमदनी रिकॉर्ड की गई थी।

2013 में सुश्री किम की गिरफ्तारी के समय उसके साउथबैंक स्थित विलासितापूर्ण एपार्टमेंट में जमा की गई इत्र की बोतलों की कतारें, महंगे जूतों के रैक, डिज़ाइनर हैंडबैग और दो तिजोरियों की तस्वीरें खींची गई।

वित्तीय जाँचकर्ता यह प्रदर्शित कर पाए कि किम ने अपनी $2.5 मिलियन की अपराधजनित लाभ धनराशि में से प्राडा उत्पादों पर $202,000, गुच्ची उत्पादों पर $115,000 डॉलर और हर्मीस उत्पादों पर $24,000 खर्च किए थे। एपार्टमेंटों, मकान और कारों सहित इन सभी लाभों और परिसंपत्तियों को ज़ब्त कर लिया गया और अंततः ऑस्ट्रेलिया के *अपराधजनित लाभ अधिनियम 2002* के तहत इन्हें अधिहृत कर लिया गया।

अनुभाग 6: अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

टिप्पणी: इस अनुभाग का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के तरीकों के विस्तार में जाना नहीं है, क्योंकि इस विषय पर पहले से ही विस्तृत सामग्री उपलब्ध है। यह अनुभाग इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि वित्तीय जाँच–पड़ताल के समर्थन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रणालियों का सर्वोचित उपयोग कैसे किया जा सकता है।

6.1 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण क्यों है?

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति के अपराधों को संबोधित करने के उद्देश्य से प्रभावशाली अंतर्राष्ट्रीय अपराध सहयोग प्रणालियाँ एक अनिवार्य उपकरण होती हैं तथा ये प्रणालियाँ प्रभावी मनी–लॉन्डरिंग विरोधी तंत्र की प्रमुख विशेषता भी होती हैं। वित्तीय जाँच–पड़ताल में समर्थन के लिए अक्सर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता क्यों होती है, इसके प्रमुख कारण हैं:

- वित्तीय जाँच–पड़ताल को समर्थन देने के लिए किसी अन्य न्यायाधिकार–क्षेत्र से **प्रमाण** प्राप्त करना, और
- बहाली या क्षतिपूर्ति के लिए **अपराधजनित लाभों** और/या **सँसाधनों**, और/या परिसंपत्तियों की पहचान, अवरोधीकरण, अधिहरण तथा प्रत्यावर्तन करना।

6.2 वित्तीय जाँच–पड़ताल के समर्थन में सामान्य रूप से प्रयुक्त किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रारूप

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के आर–पार जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से अधिकारियों के लिए सहकर्मी–से–सहकर्मी संलग्नता स्थापित करने में सहायता के लिए अनौपचारिक प्रणालियाँ बहुत उपयोगी होती हैं। औपचारिक पारस्परिक सहायता के लिए निवेदन करने से पहले अनौपचारिक सहयोग लाभदायक हो सकता है। अनौपचारिक सहयोग प्रणालियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **एजेंसी–से–एजेंसी प्रवाहमार्ग** (इसमें पुलिस से पुलिस या एफआईयू से एफआईयू के बीच के नेटवर्क शामिल हो सकते हैं)
- **इंटरपोल प्रवाहमार्ग** (इसमें किसी व्यक्ति की वित्तीय गतिविधियों का अनुरेखण करने के उद्देश्य से उसकी भौगोलिक स्थिति का पता लगाने के लिए सूचना जारी करना शामिल होगा)
- **समझौता ज्ञापन या इसी प्रकार के अन्य समझौते**, और
- **अनौपचारिक नेटवर्क**, मनी–लॉन्डरिंग अवरोधीकरण और परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति के लिए।
    - इन अनौपचारिक प्रणालियों में एरिन–एपी (परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति अंतरएजेंसी नेटवर्क–एशिया प्रशाँत), पुलिस से पुलिस (विदेशी पुलिस संपर्क पोस्ट/वैधानिक संलग्नक), और एफआईयू–से एफआईयू प्रणालियों (एग्मोंट सुरक्षित जाल) जैसे परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति नेटवर्क शामिल हो सकते हैं।

सुझाव

यदि आपका देश परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति अंतरएजेंसी नेटवर्क–एशिया प्रशाँत (एरिन–एपी) का सदस्य नहीं हैं, तो अपने देश को इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। एरिन–एपी व्यावसायिकों का एक अनौपचारिक नेटवर्क है, जो अपराधियों को उनके अवैध लाभों से वंचित करने के उद्देश्य से सदस्यों के प्रयासों को बहु–एजेंसी स्तर पर समर्थन उपलब्ध कराता है।

एरिन–एपी की सदस्यता लेने के लिए कोई शुल्क नहीं है। यह सदस्यता पूरी तरह से स्वैच्छिक है और जानकारी प्रदान करने या निवेदनों का प्रत्युत्तर देने के लिए देशों को बाध्य नहीं करती है।

वेबपेज www.arin-ap.org/main.do पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पारस्परिक वैधानिक सहायता किसी अन्य न्यायाधिकार–क्षेत्र से प्रमाण हासिल करने के उद्देश्य से सरकार–से–सरकार के बीच औपचारिक सहयोग प्राप्त करने का सर्वप्रमुख तरीका है। पारस्परिक वैधानिक सहायता की आवश्यकता उस परिस्थिति में होती है, जब अनौपचारिक साधनों के माध्यम से सहायता प्रदान नहीं की जा सकती है, उदाहरण के लिए, जब सहायता के लिए बलपूर्ण साधनों का प्रयोग करने की आवश्यकता होती है, जब लक्षित प्रमाणों का उपयोग न्यायालय में किया जाएगा, या जब दूसरे देश को पारस्परिक वैधानिक सहायता के निवेदन की आवश्यकता होती है।

आपराधिक अभियोजन का सामना करने के लिए **अपराधी को न्यायाधिकार–क्षेत्र में लाने** या किसी प्रत्यर्पण–योग्य अपराध के संबंध में आपराधिक दण्ड के लिए **प्रत्यर्पण** की अनिवार्यता हो सकती है। परिसंपत्ति के अनुरेखण के उद्देश्य से वित्तीय जाँच–पड़ताल को समर्थन देने के लिए भी प्रत्यर्पण निवेदन उपयोगी हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के अन्य प्रारूपों में अभियोगी कैदियों का स्थानाँतरण, विशेष जाँच–पड़ताल तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से सहयोग, और सँयुक्त जाँच–पड़तालें शामिल हैं।

6.3 महत्वपूर्ण विचारणीय बातें

अपनी जाँच–पड़ताल के लिए समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संचालित करने में निम्नलिखित विचारणीय बातें शामिल हैं:

- किसी अन्य देश में स्थित मानव तस्करी के प्रमाणों, अपराधियों, पीड़ितों, या लाभों का निर्धारण करने के उद्देश्य से आरंभिक जाँच–पड़ताल के लिए अनौपचारिक प्रणालियों का उपयोग करना।
- औपचारिक और अनौपचारिक जानकारी साझा करने के प्रवाहमार्गों को समझने के लिए अपनी जाँच–पड़ताल के आरंभिक चरणों में ही अपने केंद्रीय अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राधिकरण, एफआईयू, और अभियोजकों के साथ परामर्श करना ।
- दूसरे देश में समकक्षों के साथ आरंभ में ही संपर्क करना। ऐसा करने से यह स्पष्ट होने में सहायता मिल सकती है कि क्या जानकारी अनौपचारिक नेटवर्कों के माध्यम से प्रदान की जा सकती है या फिर पारस्परिक वैधानिक सहायता की आवश्यकता होगी। यह संभवतः उत्पन्न होने वाले कानूनी मुद्दों की पहचान करने तथा पारस्परिक वैधानिक सहायता की आवश्यकताओं के स्पष्टीकरण में सहायता भी कर सकता है।
- यदि पारस्परिक वैधानिक सहायता की आवश्यकता है, तो:
    - जिस देश से जानकारी प्राप्त करने का निवेदन किया जा रहा है, उसकी आवश्यकताओं को स्पष्ट करें।
    - जिस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, उसे स्पष्ट करें और उसे प्राप्त करने के लिए अपना पदमार्ग नियत करें।
        - इसमें परिसंपत्ति की पहचान करना, लाभान्वित स्वामित्व तथा विधेय अपराध का प्रमाण स्थापित करना, और संपत्ति के अवरोधीकरण, अधिग्रहण और प्रत्यावर्तन की माँग करना शामिल हो सकता है।
    - यह सुनिश्चित करें कि आपका निवेदन व्यापक है और इसमें निवेदन किए जाने वाले देश के लिए आवश्यक सभी जानकारी और दस्तावेज शामिल हैं।
    - जिस प्रारूप में प्रमाण उपलब्ध कराया जाना चाहिए, उसके बारे में स्पष्ट रहें।
    - अपने निवेदन के अनुपालन के लिए यथार्थवादी समयसीमाएँ प्रदान करें (इसके बारे में पहले से ही प्राप्तकर्ता के साथ चर्चा करें)।
    - विदेश में अवरोधीकरण या अधिग्रहण आदेश का पंजीकरण करवाने के लिए इच्छुक होने की स्थिति में यह सुनिश्चित करें कि आपका आदेश विदेश की वैधानिक प्रणाली की आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- जिस देश के साथ संलग्नता की जा रही है, उसके अधिहरण और परित्याग के ढाँचे तथा अधिहृत की गई संपत्ति को साझा करने की क्षमता से अवगत रहें।

व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामले की वित्तीय जाँच–पड़ताल में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का उदाहरण:

पुलिस को विदेश में बैंक रिकॉर्ड होने का संदेह है, जिसका उपयोग मानव तस्करी में शामिल अपराधी के अभियोजन के लिए किया जा सकता है।

अनौपचारिक सहयोग में निम्नलिखित कार्य–कलाप शामिल हो सकते हैं:
पुलिस विदेश में स्थित पुलिस से संपर्क करती है और विचाराधीन बैंक रिकॉर्ड के अस्तित्व की पुष्टि करती है।

पुलिस बैंक रिकॉर्ड के अस्तित्व और सामग्री की पुष्टि करती है और अपराधी पर दोषारोपण करती है।

औपचारिक सहयोग में निम्नलिखित कार्य–कलाप शामिल हो सकते हैं:
अपराधी इस बात से मना कर रहा है कि उसका बैंक रिकॉर्ड के साथ किसी भी प्रकार का संबंध है। तदनुसार, अभियोजक के लिए यह आवश्यक है कि न्यायालय की कार्यवाही के लिए रिकॉर्ड 'स्वीकार्य प्रारूप' में हों।

सरकार 'स्वीकार्य प्रारूप' में बैंक रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए दूसरे देश से पारस्परिक वैधानिक सहायता का निवेदन करती है।

विदेशी सरकार 'स्वीकार्य प्रारूप' में रिकॉर्ड प्रदान करती है।

सुझाव

जाँच–पड़ताल के आरंभिक चरण में ही अपने केंद्रीय प्राधिकरण, अभियोजक–पक्षों और अपने एफआईयू से परामर्श करें।

सुझाव

सूचना की सुगमता हासिल करने के लिए जाँच–पड़ताल के **आरंभिक चरण** में सूचना साझा करने वाले अनौपचारिक प्रवाहमार्गों का उपयोग करें, संभवतः उपलब्ध जानकारी के प्रकार स्पष्ट करें, अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए सर्वोचित तरीका निर्धारित करें, और जानकारी के लिए किसी भी औपचारिक निवेदन को बेहतर रूप से लक्षित करें।

अनुभाग 7: भुगतान के नए तरीके

नई प्रौद्योगिकियाँ पूरे विश्व–भर में सस्ती व और अधिक कुशलता के साथ भुगतान करने की क्षमता प्रदान करती हैं। ये प्रगतियाँ मनी–लॉन्डरिंग के खतरे भी प्रस्तुत करती हैं, जिनमें पारंपरिक नकदीमुक्त भुगतान विधियों की तुलना में और भी अधिक अज्ञातता शामिल हो सकती है। नई तकनीकों का उपयोग करने वाले लेन–देन सामान्य रूप से विनियमित वित्तप्रणाली के बाहर भी होते हैं, कई देशों में कार्यरत हो सकते हैं, और इन्हें अलग–अलग स्तरों पर अनदेखा किया जा सकता है। इन कारणों से नीति निर्माताओं और जाँचकर्ताओं के लिए इस बात की जानकारी रखना भी महत्वपूर्ण होता है कि ये किस तरह से काम करते हैं और अपराधियों द्वारा इनका उपयोग कैसे किया जा सकता है। नई तकनीक का प्रयोग करने वाली सामान्य भुगतान विधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

स्मार्ट कार्ड (संग्रहीत मूल्य कार्ड)
माइक्रोचिप–युक्त क्रेडिट कार्ड की तरह दिखने वाला प्लास्टिक का कार्ड, जिसका प्रयोग नकद भुगतान के लिए किया जा सकता है। इसके उपयोग से एक ऐसी भुगतान प्रक्रिया संभव हो सकती है जो खरीदारी को बैंक खाते से जोड़ पाने में असमर्थ होती है–उदाहरण के लिए, एक ऐसा रिलोडेबल प्रीपेड कार्ड, जिसमें एक अधिकतम मूल्य तक नकदी संग्रहीत की जा सकती है। यदि इसे ऑनलाइन पंजीकृत न किया जाए, तो यह नकदी जैसा ही होता है और इसे एटीएम से नकदी निकालने व कुछ ऑनलाइन और इन–स्टोर खरीदारी के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है, और यह किसी बैंक खाते से जुड़ा हुआ भी नहीं होता है।

पेपैल भुगतान
एक ऑनलाइन 'डिजिटल वॉलेट', जो ग्राहकों के क्रेडिट या डेबिट कार्ड, बैंक खाते और/या पेपैल खाते से दूसरे पेपैल उपयोगकर्ताओं के खातों में धनराशि हस्ताँतरित करता है, जिससे खरीदार और विक्रेता ऑनलाइन रूप से, मोबाइल उपकरण के माध्यम से, अथवा (कुछ देशों में) दुकान में जाकर भुगतान प्रेषित और प्राप्त कर सकते हैं।

कूटमुद्रा (उदाहरण के लिए बिटकॉइन)
एक आभासी मुद्रा, जिसका परिचालन बैंकिंग प्रणाली से बाहर किया जाता है। उपयोगकर्ताओं के बीच लेन–देन सीधे किए जाते हैं, और इसमें उपयोगकर्ताओं के बीच पहचान-योग्य जानकारी साझा नहीं होती है। इससे नामरहित रूप से लेन–देन करना संभव हो पाता है, जोकि एक जटिल सुरक्षा कोड से संरक्षित होता है। इसमें मुद्रा इकाइयों को बनाने या लेन–देन की पुष्टि करने के लिए कोई केंद्रीय प्राधिकरण शामिल नहीं होता है।

मोबाइल फोन भुगतान
मोबाइल फोन से भुगतान के तरीके, जिनमें भुगतान को प्राधिकृत, पारित और व्यवस्थित करने के लिए टेलिकॉम ऑपरेटर एक भुगतान मध्यस्थक के रूप में कार्य करता है। जिन क्षेत्रों में पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं की सुगमता अनुपस्थित या सीमित होती है, वहाँ ये आम होते हैं। इन भुगतानों में हस्ताँतरित धनराशि को फोन खाते में चार्ज किया जा सकता है या इसका फोन खाते में पूर्व–भुगतान किया जा सकता है या इसका मूल्य सिम कार्ड में संग्रहीत किया जा सकता है। मोबाइल फोन और स्मार्ट डिवाइस प्रौद्योगिकी में उन्नतियों के परिणामस्वरूप कार्ड या पारंपरिक बैंक हस्ताँतरण के प्रयोग के बिना ही इन उपकरणों के माध्यम से रेडियो आवृत्ति पहचान (आरएफआईडी), निकट फील्ड संचार (एनएफसी) अथवा इस प्रकार की प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके भुगतान करने की क्षमता हासिल हो गई है। एप्पल पे और गूगल वॉलेट इस तकनीक के उदाहरण हैं।

इंटरनेट बैंकिंग और भुगतान विकल्प
इंटरनेट की प्रगति के परिणामस्वरूप इंटरनेट–आधारित भुगतान सेवाओं में वृद्धि हुई है, जो बैंक खाते में या बैंक खाते से, या अनन्य रूप से इंटरनेट के माध्यम से कार्य करने वाली गैर–बैंक सँस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई भुगतान सेवाओं से धन का हस्ताँतरण करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर करती हैं। इन सेवाओं के माध्यम से कंप्यूटरों या स्मार्ट उपकरणों का प्रयोग करके ऐसे देशों में स्थापित क्रेडिट कार्डों या खातों से भुगतान किए जाने का खतरा बढ़ जाता है, जहाँ अनिवार्य ग्राहक संरक्षण (सीडीडी) और अपने ग्राहक से परिचित हों (केवाईसी) दायित्वों का समुचित रूप से पालन नहीं किया जाता है।

सुझाव

धन के स्थानाँतरण के लिए उपलब्ध नई–नई तकनीकों से अवगत रहें। इस प्रकार की भुगतान विधियों की जाँच–पड़ताल में परामर्श के लिए अपनी एफआईयू से संपर्क करें।

अनुभाग 8: सुझावों का साराँश

- ✓ व्यापक मनी–लॉन्डरिंग विरोधी कानून की स्थापना करें।
- ✓ यह सुनिश्चित करें कि मनी–लॉन्डरिंग और विधेय अपराधों के लिए अलग–अलग अभियोजन किया जा सकता है।
- ✓ अभियोजन–मुक्त आधार पर अधिग्रहण की स्थापना करें।
- ✓ यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रियात्मक उपायों का पालन करें कि समानांतर वित्तीय जाँच–पड़ताल, वित्तीय लाभयुक्त अपराध से संबंधित सभी कानून प्रवर्तन पूछताछ का एक नियमित भाग बन जाए, जिसमें व्यक्तियों का अवैध कारोबार भी शामिल है।
- ✓ व्यक्तियों के अवैध कारोबार के नेटवर्कों को बाधित करने के लिए पुनर्प्राप्त की गई परिसँपत्तियों और मनी–लॉन्डरिंग के प्रयोग के अपराधों से संबंधित आंकड़े एकत्र करें। व्यक्तियों के अवैध कारोबार के मामलों में अपने राष्ट्र के प्रत्युत्तर के प्रदर्शन संकेतकों के रूप में इन्हें शामिल करने के बारे में विचार करें।
- ✓ व्यक्तियों के अवैध कारोबार की जाँच–पड़तालों में 'धन का अनुसरण' करने के दृष्टिकोण को अपने सँगठन के सभी स्तरों पर अपनाए जाने को प्रोत्साहन देने के लिए ऊँचे स्तर का समर्थन प्रदर्शित करें।
- ✓ यह सुनिश्चित करें कि आपके घरेलू ढाँचे में मनी–लॉन्डरिंग से संबंधित मामलों के लिए सर्वाधिक व्यापक पारस्परिक वैधानिक सहायता शामिल है, और आपके घरेलू कानून में मनी–लॉन्डरिंग एक प्रत्यर्पण–योग्य अपराध है।
- ✓ यह सुनिश्चित करें कि आपका प्रत्युत्तर अपराधों की पूर्णतया जाँच–पड़ताल के लिए सभी संबंधित एजेंसियों (जाँचकर्ताओं, एफआईयू और अभियोजकों) की विशेषज्ञता को एक साथ लाता है।
- ✓ अपनी जाँच–पड़ताल के दौरान प्राप्त की गई वित्तीय जानकारी का अनुसरण करने के लिए एक मामला प्रबंधन तंत्र का उपयोग करें।
- ✓ जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको जिन वैधानिक आवश्यकताओं के दायरे के अंदर कार्य करना होगा, उनके बारे में विचार–मनन करना भी सुनिश्चित करें (उदाहरण के लिए, मानवाधिकार, निजता, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता से संबंधित आवश्यकताएँ)।
- ✓ अपनी जाँच–पड़ताल के आरंभिक चरण में ही अनौपचारिक सूचना साझाकरण नेटवर्कों का प्रयोग करें। वित्तीय जानकारी साझाकरण नेटवर्कों का उपयोग करें। यदि आपका देश परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति अंतरएजेंसी नेटवर्क–एशिया प्रशाँत (एरिन–एपी) का सदस्य नहीं हैं, तो अपने देश को इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।
- ✓ अपनी जाँच–पड़ताल में अपनी एफआईयू और अपने केंद्रीय प्राधिकरण के साथ संलग्न हों।
- ✓ धन के स्थानाँतरण के लिए उपलब्ध नई–नई तकनीकों से अवगत रहें। इस प्रकार की भुगतान विधियों की जाँच–पड़ताल में परामर्श के लिए अपनी एफआईयू से संपर्क करें।

बाली प्रक्रिया

बाली प्रक्रिया

मानव तस्करी, व्यक्तियों के अवैध कारोबार एवं तत्संबंधित अंतर्राष्ट्रीय अपराध से संबंधित